डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 186 | पेज: 8 | जयपुर, रविवार, 15 जून 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

सरकार ने बनाई जांच कमेटी तीन महीने में दे देगी रिपोर्ट

एविएशन मिनिस्टर ने कहा-हादसे की जांच पहले दिन से ही जारी

मरने वालों का आंकड़ा 275 पहुंचा,मलबे से एक और शव मिला

अहमदाबाद (एजेंसी)। अहमदाबाद में विमान हादसे पर शनिवार को सिविल एविएशन मिनिस्टर के राममोहन नायडू ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने बताया कि पहले दिन से हादसे की जांच जारी है। केंद्रीय गृह सचिव के नेतृत्व में जांच कमेटी गठित की गई है। जो 3 महीने में अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। इधर, विमान के मलबे से एक और शव बरामद हुआ है। बीजे मेडिकल कॉलेज हॉस्टल से जब मलबा हटाया जा रहा था, तब विमान की टेल (पिछले हिस्से) में फंसा हुआ शव दिखा। इसका पोस्टमॉर्टम हुआ है। ऐसा कहा जा रहा है कि यह शव एयर होस्टेस का हो सकता है। उधर, आज भी मारे गए लोगों की डीएनए सैंपलिंग का काम जारी है। सिविल अस्पताल के बाहर परिजन की भीड़ है। यहां सुरक्षा के कड़े इंतजाम है। पोस्टमॉर्टम यूनिट के आसपास बाहरी लोगों की एंट्री बंद है। सिविल अस्पताल में अब तक 270 से ज्यादा शवों का पोस्टमॉर्टम हो चुका है। इसके अलावा, 230 लोगों की डीएनए सैंपलिंग की जा चुकी है। 8 शवों की शिनाख्त हो गई है। उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने कहा, पिछले दो दिन बहुत मुश्किल भरे रहे हैं। अहमदाबाद एयरपोर्ट के पास हुई दुर्घटना ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया।

- **हादसे वाले दिन क्या हुआ था, सरकार ने बताया-** वहीं, नागरिक उड्डयन मंत्रालय के सचिव समीर कुमार सिन्हा ने कहा, 12 जून को दोपहर करीब 2 बजे हमें सूचना मिली कि अहमदाबाद से गैटविक लंदन जा रहा विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। हमें तुरंत एटीसी अहमदाबाद के जरिए इस बारे में विस्तृत जानकारी मिली। यह एआईसी 171 था और इसमें कुल 242 लोग सवार थे, जिसमें 230 यात्री, 2 पायलट और 10 क्रू मेंबर शामिल थे। इस विमान ने दोपहर 1.39 बजे उड़ान भरी और कुछ ही सेकंड में करीब 650 फीट की ऊंचाई पर पहुंचकर यह गिरने लगा, यानी इसकी ऊंचाई कम होने लगी।
- **एयरपोर्ट से दो किलोमीटर दूर दुर्घटनाग्रस्त हुआ विमान-** उन्होंने बताया, दोपहर 1.39 बजे पायलट ने अहमदाबाद एटीसी को सूचना दी कि यह मेडी है, यानी पूरी तरह से इमरजेंसी है। एटीसी के मुताबिक, जब उसने विमान से संपर्क करने की कोशिश की तो उसे कोई जवाब नहीं मिला। ठीक एक मिनट बाद यह विमान मेघानीनगर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जो एयरपोर्ट से करीब 2 किमी की दूरी पर स्थित है। विमान के कैप्टन सुमित सभरवाल थे और फर्स्ट ऑफीसर क्लाइव सुंदर थे।

नीट यूजी 2025 में राजस्थान के महेश बने टॉपर

- एमपी के उत्कर्ष की दूसरी रैंक, टॉप 10 में सिर्फ एक लड़की

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने नीट यूजी 2025 का रिजल्ट शनिवार को जारी कर दिया। 20.08 लाख स्टूडेंट्स बैठे थे। इनमें से 112.3 लाख स्टूडेंट्स क्वालिफाई हुए हैं। राजस्थान के हनुमानगढ़ के महेश केसवानी ने टॉप किया है। उन्हें 720 में से 686 मार्क्स मिले हैं। ऑल

इंडिया रैंक 1 हासिल करने वाले हनुमानगढ़ के महेश केसवानी ने बताया कि 10वीं के बाद वो आर्ट्स लेकर यूपीएससी की तैयारी करना चाहता था। मगर एक टीचर के समझाने से उसने साइंस ली और नीट की तैयारी करने लगा। एमपी के इंदौर के उत्कर्ष अवधिया की सेकेंड और महाराष्ट्र के कृषांग जोशी की थर्ड रैंक आई है। टॉप 10 में केवल 1 लड़की है। दिल्ली की अक्विका अग्रवाल को फीमेल कैटेगरी में पहला स्थान मिला है। कैंडिडेट्स एनटीए की ऑफिशियल वेबसाइट पर लॉग इन करके नीट रिजल्ट 2025 डाउनलोड कर सकते हैं। 2024 में अनारक्षित कैटेगरी के लिए कट-ऑफ स्कोर 162 था, जो इस साल घटकर 144 हो गया है। बीते साल एआईआर 1 पर 17 स्टूडेंट्स थे। इन सभी ने 720 में से 720 स्कोर किए थे। इस साल मुश्किल पेपर की वजह से टॉपर का स्कोर और कट-ऑफ नीचे आ गया है।

साउथ अफ्रीका पहली बार बना वर्ल्ड टेस्ट चैंपियन

- फाइनल में ऑस्ट्रेलिया को 5 विकेट से हराया, 27 साल बाद डब्ल्यूटीसी टूर्नामेंट जीता

लंदन (एजेंसी)। साउथ अफ्रीका ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) जीत ली है। टीम ने शनिवार को डिफेंडिंग चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को 5 विकेट से हरा दिया। साउथ अफ्रीका क्रिकेट के किसी भी फॉर्मेट में पहली बार वर्ल्ड चैंपियन बना है। इतना ही नहीं, टीम ने 27 साल के बाद कोई आईसीसी टूर्नामेंट जीता है। टीम ने 1998 में

चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी। लंदन के द लॉर्ड्स स्टेडियम में मैच के चौथे दिन लंच से पहले साउथ अफ्रीका ने 282 रन का टारगेट 5 विकेट खोकर हासिल कर लिया। ऐडन मार्करम ने 136 रन बनाए, जबकि टेम्बा बावुमा ने 66 रन की पारी खेली। काइल वेरियन ने 84वें ओवर में मिचेल स्टार्क के खिलाफ सिंगल लिया और अपनी टीम को ऐतिहासिक जीत दिला दी। वे 4 रन बनाकर डेविड बेडिंघम (21 रन) के साथ नॉटआउट रहे। ऐडन मार्करम प्लेयर ऑफ द मैच रहे। ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में 218 रन बनाते हुए साउथ अफ्रीका को 282 रन का टारगेट दिया था।

पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने पर जयशंकर ने संभाला मोर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल और ईरान के बीच संघर्ष ने दुनिया को एक नई परेशानी में डाल दिया है। भारत ने दोनों देशों के बीच इस संघर्ष को लेकर चिंता जाहिर की है। अब इस मामले में भारत की तरफ से विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मोर्चा संभाला है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पश्चिम एशिया में बढ़ते हालात पर चर्चा के लिए अपने इजरायली और ईरानी समकक्षों के साथ अलग-अलग फोन पर बातचीत की। ईरानी क्षेत्र पर इजरायली हमलों और तेहरान की 'ताककतवर' प्रतिक्रिया की चेतावनी के बाद तनाव बढ़ने के बीच, जयशंकर ने दोनों पक्षों के साथ हुए घटनाक्रम पर अपनी बातचीत के बारे में जानकारी दी।

जो भी पवित्र स्थलों को अपवित्र करने की कोशिश करेगा, उसके खिलाफ सरकार सख्त कार्रवाई करेगी : हिमंत सरमा

गुवाहाटी, एजेंसी। असम के धुबरी शहर में एक मंदिर के पास लगातार मिल रहे मवेशियों के कटे सिरों के बाद उत्पन्न सांप्रदायिक तनाव पर कड़ा रुख अपनाते हुए राज्य सरकार ने रात के समय देखते ही गोली मारने के आदेश जारी किए हैं। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने शुक्रवार को यह घोषणा की और साथ ही राज्य में धार्मिक स्थलों के अपमान पर जीरो टॉलरेंस नीति की बात दोहराई। यह निर्णय ईद-उल-अजहा (बकरीद) के बाद उत्पन्न घटनाक्रमों के चलते लिया गया, जब 7 जून को धुबरी के हनुमान मंदिर के पास एक गाय का सिर मिला। अगले दिन फिर से मंदिर परिसर के पास इसी तरह की एक और घटना हुई, जिससे शहर में तनाव बढ़ गया। इसके साथ ही रात में पथराव की घटनाएं भी सामने आईं।

मुख्यमंत्री सरमा ने कहा, जो भी मंदिरों और पवित्र स्थलों को अपवित्र करने की कोशिश करेगा, उसके खिलाफ हमारी सरकार

सख्त कार्रवाई करेगी। अगर कोई पत्थर फेंकता है और पुलिस को उसके इरादों पर शक होता है, तो उसे गोली मारने के आदेश हैं।

भारी सुरक्षा बल तैनात

तनाव को देखते हुए तेज कार्रवाई बल और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल को इलाके में तैनात किया गया है। पहले लागू की गई धारा 144 को अस्थायी रूप से हटाया गया था, लेकिन हालात को देखते हुए सुरक्षा चाक-चौबंद कर दी गई है।

'बीफ माफिया' और पोस्टर विवाद

मुख्यमंत्री ने दावा किया कि एक 'बीफ माफिया' पश्चिम बंगाल से हजारों की संख्या में गायें धुबरी लाया, ताकि बकरीद के मौके पर काट सके। उन्होंने इसे एक नए आपराधिक नेटवर्क की साजिश बताया और जांच के आदेश दिए। इसके अलावा उन्होंने एक संगठन 'नवीन बंगला' द्वारा लगाए गए पोस्टरों का भी जिक्र किया, जिसमें धुबरी को बांग्लादेश से जोड़ने की बात की गई थी। सरमा ने इसे राज्य की अखंडता को चुनौती देने की कोशिश बताया।

मुख्यमंत्री का सख्त संदेश

मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर भविष्य में भी ऐसी घटनाएं होती हैं तो वे स्वयं धुबरी आकर ईद जैसे पर्वों पर सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी करेंगे। उन्होंने कहा, हम किसी भी समुदाय को राज्य में अराजकता फैलाने की अनुमति नहीं देंगे। धुबरी हमारे हाथ से नहीं जा सकता। कानून अपना काम करेगा और अपराधियों को बख्शा नहीं जाएगा। धुबरी में फिलहाल तनाव बना हुआ है, और प्रशासन द्वारा निगरानी ड्रोन, सीसीटीवी, और रात्री गश्त के जरिए हालात पर नजर रखी जा रही है।

उदयपुर पूर्व सांसद के पीएचडी होल्डर बेटे ने की खुदकुशी, घर में लगाया फंदा

उदयपुर, एजेंसी। उदयपुर के मल्लातलाई इलाके में शनिवार सुबह उस वक्त सनसनी फैल गई जब पूर्व सांसद महावीर भगोरा के बेटे आशीष भगोरा ने आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही अंबामाता थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आशीष ने घर में फंदा लगाकर जान दी। वह उच्च शिक्षित थे और पीएचडी होल्डर बताए जा रहे हैं। घटना उदयपुर के एकलव्य कॉलोनी स्थित भगोरा परिवार के निजी आवास पर हुई। सुबह जब परिजनों ने आशीष को नहीं देखा तो तलाश शुरू की गई। इसके बाद उन्हें एक कमरे में फांसी पर लटका पाया गया। तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। स्थानीय लोगों और रिश्तेदारों के मुताबिक, आशीष पिछले कुछ समय से मानसिक रूप से परेशान थे, हालांकि इसकी पुष्टि अब तक पुलिस या परिजनों द्वारा नहीं की गई है। आत्महत्या के कारणों की जांच की जा रही है। अंबामाता थाना अधिकारी के अनुसार, कमरे से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है।

ईरान पर इजरायल का हमला एक और बेशर्मी भरा कदम है : महबूबा मुफ्ती

श्रीनगर, एजेंसी। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष और जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने शुक्रवार को इजरायल द्वारा ईरान पर किए गए हमले को एक बेशर्मी भरा कृत्य करार दिया है। उन्होंने कहा कि इजरायल अब एक ऐसा राष्ट्र बन चुका है जो बेकाबू और बेलगाम नजर आता है।

महबूबा मुफ्ती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, ईरान पर इजरायल का हमला एक और बेशर्मी भरा कदम है, जो यह दिखाता है कि वह एक ऐसा राष्ट्र बन चुका है जो अब पूरी तरह से बेलगाम हो गया है। वैश्विक समुदाय, विशेषकर अमेरिका के नेतृत्व वाले पश्चिमी देशों की चुप्पी न केवल चिंताजनक है, बल्कि बहुत कुछ बयान करती है। यह चुप्पी एक तरह से मौन स्वीकृति है।

बताते चलें कि शुक्रवार सुबह इजरायल ने ईरान की राजधानी तेहरान पर हमला किया, जिसमें ईरान के परमाणु कार्यक्रम को निशाना बनाया गया। यह हमला ईरान और इराक के 1980 के दशक के युद्ध के बाद ईरान पर सबसे बड़ा हमला माना जा रहा है, जिससे मध्य-पूर्व में पूर्ण युद्ध की आशंका बढ़ गई है।

महबूबा मुफ्ती ने अमेरिका की दोहरी नीतियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच तनातनी के वक्त अमेरिका अक्सर हस्तक्षेप कर उसे टालने का श्रेय लेता है, लेकिन जब बात गाजा में इजरायल की लगातार बमबारी की हो या अब ईरान पर उसके हमले की, तब वही अमेरिका और उसके सहयोगी देश चुप्पी साध लेते हैं। उन्होंने कहा, इन दोहरे मापदंडों से वैश्विक शांति और स्थिरता को गंभीर खतरा पैदा हो गया है।

महबूबा ने मुस्लिम देशों की चुप्पी को भी आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा, इस भयावह अन्याय के सामने तथाकथित मुस्लिम देशों की चुप्पी बेहद परेशान करने वाली है। उनका निष्क्रिय बने रहना केवल निराशाजनक नहीं है, बल्कि उन मूल्यों और कारणों से विश्वासघात है, जिनका वे दावा करते हैं कि वे समर्थन करते हैं।

विमान हादसे में जान गंवाने वाली नर्स पर आपत्तिजनक पोस्ट, केरल का अधिकारी निलंबित

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी। केरल में एक सरकारी कर्मचारी को फेसबुक पर केरल की एक नर्स के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणी करने के लिए निलंबित कर दिया गया है। इस नर्स की अहमदाबाद विमान दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। कासरगोड़ जिले के वेल्लारीकुंडु तालुक कार्यालय में जूनियर अधीक्षक ए पवित्रन को शुक्रवार को निलंबित कर दिया गया। उन्होंने पतनमथिट्टा की नर्स रंजीता का मजाक उड़ाया था, जो दुर्घटना में मारे गए लोगों में शामिल थीं। फेसबुक पोस्ट में, राज्य के राजस्व मंत्री के राजन ने पवित्रन की टिप्पणी को 'अपमानजनक' बताया। उन्होंने कहाकि पोस्ट उनके ध्यान में आने के तुरंत बाद निलंबन आदेश जारी कर दिया गया।

ब्रिटेन में करती थीं काम: दो बच्चों की मां रंजीता ब्रिटेन में नर्स के रूप में काम कर रही थीं। वह विदेश में कुछ समय बिताने के बाद फिर से सरकारी सेवा में शामिल होने की योजना के साथ अपनी नौकरी से संबंधित औपचारिकताओं को पूरा करने के लिए चार दिवसीय यात्रा पर केरल आई थीं। इस बीच, राज्य की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज पतनमथिट्टा जिले के पुल्लाड में रंजीता के घर पहुंचीं और उनके दो रोते हुए बच्चों और शोकाकुल परिवार के सदस्यों को सांत्वना दी।

गौरतलब है कि एअर इंडिया का लंदन जा

रहा विमान गुरुवार दोपहर अहमदाबाद हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ ही मिनट बाद यहां एक मेडिकल कॉलेज परिसर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान में दो पायलट और चालक दल के 10 सदस्य सहित 242 लोग सवार थे।

इस हादसे में विमान में सवार 241 लोगों की मौत हो गई। कंपनी के मुताबिक विमान में सवार 242 लोगों में से 241 की मौत की पुष्टि हो चुकी है। बयान में कहा गया है कि एकमात्र जीवित व्यक्ति भारतीय मूल का ब्रिटिश नागरिक है। उसका अस्पताल में इलाज किया जा रहा है।

शवों की शिनाख्त में मुश्किल: हादसे में शव इतने जल चुके हैं कि उनकी शिनाख्त करना जटिल है। इस हादसे में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने भी अपनी जान गंवा दी। पुलिस उपायुक्त कानन देसाई ने कहाकि घटनास्थल से मलबा हटाने का काम रातभर जारी रहा। इस हादसे में विमान जिस अस्पताल के हॉस्टल पर गिरा, वहां के कई डॉक्टरों की भी मौत हो गई।

केदारनाथ का दर्शन करने वालों की संख्या 10 लाख के पार हुई, मंदिर में आरती के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ी

केदारनाथ , एजेंसी। इन दिनों पवित्र केदारनाथ धाम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है, जो अपनी आध्यात्मिक भावनाओं को व्यक्त करने के लिए यहां आ रहे हैं। चारधाम यात्रा शुरू होने के बाद से अब तक 10 लाख से अधिक श्रद्धालु बाबा केदारनाथ के दर्शनों के लिए पहुंच चुके हैं। हर दिन हजारों की संख्या में श्रद्धालु चुनौतीपूर्ण पहाड़ी रास्ते को पार कर बाबा केदारनाथ के चरणों में दर्शन करने पहुंच रहे हैं। शाम की आरती में धाम में हजारों श्रद्धालु एक साथ आते हैं, जिससे मंदिर परिसर भक्ति और दिव्यता से भर जाता है। हर तरफ हर-हर महादेव के जयकारों की गूंज सुनाई दे रही है। इस बार यात्रा में प्रशासन ने दर्शन व्यवस्था को सुगम और व्यवस्थित बनाने के लिए टोकन सिस्टम लागू किया है, जिससे श्रद्धालुओं को कम समय में दर्शन का लाभ मिल रहा है। बाबा केदारनाथ के कपाट दो मई को आम श्रद्धालुओं के लिए खोले गए थे और तब से अब तक रिकॉर्ड संख्या में भक्त दर्शन कर चुके हैं। इस समय केदारनाथ धाम में मौसम की भी कई कठिनाइयां देखने को मिल रही है। इसके बाद भी केदारनाथ में भारी भीड़ हो रही है। प्रशासन ने पैदल मार्ग, टेंट, स्वास्थ्य व सुरक्षा संबंधित सुविधाओं को बेहतर बनाया है। इससे हर श्रद्धालु को

यात्रा के दौरान किसी प्रकार की परेशानी नहीं होगी।

दो मई को केदारनाथ के कपाट खुलेंगे इसके बाद अबतक 10 लाख से अधिक श्रद्धालु केदारनाथ धाम पहुंच कर दर्शन कर चुके है। लोगों की आस्था में किसी तरह की कमी नहीं देखने को मिल रही है। हर दिन हजारों की संख्या में भक्त केदारनाथ पहुंच रहे है। शाम की आरती में भी भारी संख्या में श्रद्धालु शामिल हो रहे है। अब गर्भगृह तक पहुंचने में भी लोगों को कम समय लग रहा है। व्यवस्था अच्छी होने से दर्शन करने का समय काफी कम हुआ है। बता दें कि इन दिनों मंदिर दिन-रात खुला हुआ है। भक्त लगातार बाबा के दर्शन करने पहुंच रहे है।

मऊ में पुलिस ने दूध के टैंकर में छिपाई गई 10 लाख रुपये की शराब पकड़ी

मऊ , एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मऊ जिले मेंपुलिस ने दूध के टैंकर में छिपाकर बिहार ले जायी जा रही करीब 10 लाख रुपये कीमत की अवैध शराब पकड़ी। पुलिस के एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 10 लाख रुपये से अधिक की कीमत की शराब की यह खेप मऊ पुलिस ने शुक्रवार को गोरखपुर-वाराणसी राजमार्ग के पास विशेष जांच अभियान के दौरान पकड़ी। इस खेप के साथ बिहार के बक्सर जिले के दो लोगों को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि वाहन का चालक भागने में सफल रहा और फिलहाल उसका पता लगाया जा रहा है। मऊ के पुलिस अधीक्षक (एसपी) इलामारन जी ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, यह मऊ पुलिस के लिए एक बड़ी सफलता है। शराब को दूध के टैंकर के एक डिब्बे के अंदर छिपाया गया था। पुलिस ने एक गुप्त सूचना पर तुरंत कार्रवाई की और 10 लाख रुपये से अधिक की शराब जब्त की।

रॉयल पत्रिका संपादकीय

देश की बीमार स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल

सरकार के तमाम दावों के बावजूद देश में स्वास्थ्य सेवाओं की सेहत लगातार बिगड़ रही है, तो आखिर इसकी वजह क्या है। प्रति वर्ष बजट में स्वास्थ्य के लिए जो राशि तय होती है, वह इतनी नहीं जिससे सभी नागरिकों को चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध हो सकें। सच्चाई यही है कि गंभीर बीमारी का इलाज कराने के क्रम में आम आदमी की सारी जमा-पूंजी खत्म हो जाती है। इसी वजह से कई परिवार तो गरीबी रेखा के नीचे चले जाते हैं। यह दुखद ही है कि आजादी के बाद से अब तक हम शहरों और गांवों में स्वास्थ्य सेवाओं का मजबूत ढांचा नहीं बना पाए हैं।

आज भी सरकारी अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों में आधुनिक उपकरणों और बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। इसका नतीजा अंतत: मरीजों को भुगतना पड़ता है। बीते दिनों बलिया में मोबाइल फोन की रोशनी में चार महिलाओं का प्रसव कराया गया। यह सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों की बदहाली की एक और बानगी है।

कई अस्पतालों में जेनरेटर और डीजल के अभाव का बहाना बनाया जाता है, लेकिन वहां इसकी सुविधा उपलब्ध होने पर भी यह नौबत क्यों आई, यह जांच का विषय है। इसी जिले में पिछले दिनों जिलाधिकारी के औचक निरीक्षण के दौरान सरकारी अस्पताल में अव्यवस्था उजागर हुई। हकीकत है कि देश में स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली आज भी कायम है।

आबादी के लिहाज से सरकारी अस्पतालों की संख्या काफी कम है। गांवों के मरीज उपचार के लिए शहरों की तरफ भागते हैं, जहां निजी अस्पतालों में अपनी थोड़ी बहुत बचत भी गंवा बैठते हैं। यह एक बड़ा सवाल है कि सेहत की देखभाल पर आम आदमी का खर्च कम क्यों नहीं हो रहा? यह सरकार के लिए भी एक चुनौती है। फिलहाल इस पर जोर देने की जरूरत है कि मरीजों का सुरक्षित उपचार हो और वे स्वस्थ होकर अपने घर लौटें।

बलिया की घटना से पहले भी टार्च की रोशनी में इलाज और आपरेशन किए जाने की खबरें आती रही हैं। उपचार में देरी और गलत निदान की वजह से मरीजों की मौत हो जाती है, इससे इनकार नहीं किया जा सकता। मसला अब बुनियादी सुविधाओं का भी है। स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही और बदहाली पर सवाल उठते हैं, तो यह गलत नही हैं।

जातिगत जनगणना के पीछे क्या है सियासी गणित? जो कांग्रेस के एजेंडे में था, अचानक BJP क्यों हुई तैयार

जातिगत जनगणना की मांग दशकों से चली आ रही है, लेकिन केंद्र सरकार ने इसे हमेशा टालने की कोशिश की। अब अचानक मोदी सरकार ने इस पर सहमति दी है। 2025 की जनगणना में जातियों की गिनती की जाएगी। यह सिर्फ आंकड़ों का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और राजनीतिक समीकरणों से जुड़ा बड़ा फैसला है। सवाल उठता है: बीजेपी, जो इस मांग का विरोध करती आई है, आखिर अब क्यों तैयार हुई?

सियासी पृष्ठभूमि और कांग्रेस का एजेंडा

कांग्रेस की पहल:

राहुल गांधी ने जातिगत जनगणना को "OBC न्याय" का मुद्दा बनाया। उन्होंने संसद और चुनावी रैलियों में इसे प्रमुखता दी। 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने इसे अपने घोषणापत्र में शामिल कर वादा किया था कि सत्ता में आते ही जातिगत जनगणना कराएंगे।

OBC वोटबैंक की लड़ाई:

आजादी के बाद OBC वर्ग लंबे समय तक कांग्रेस के साथ रहा, लेकिन 2014 के बाद यह वोट बैंक BJP की ओर झुका। कांग्रेस अब इस वोट बैंक को फिर से अपने साथ जोड़ने की कोशिश में है।

'जनगणना नहीं, सत्ता की गिनती' का नारा:

राहुल गांधी बार-बार कहते रहे कि देश की 73% आबादी OBC, SC, ST है, लेकिन सत्ता में उनकी हिस्सेदारी बेहद कम है। जाति आधारित जनगणना के जरिए वे सत्ता में 'हिस्सेदारी' का सवाल उठा रहे हैं।

30 अप्रैल 2025 को राजनीतिक विषयों की कैबिनेट कमेटी ने जातिगत जनगणना कराने का फैसला लिया। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मीडिया को बताया कि जातियों की गणना अब आने वाली मूल जनगणना में ही शामिल होगी। राजनीतिक मामलों की कैबिनेट कमेटी के अध्यक्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं। इसके अलावा इस कमेटी में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल भी इसमें शामिल हैं। देश में पिछली जनगणना 2011 में हुई थी। इसे हर 10 साल में किया जाता है। इस हिसाब से 2021 में अगली जनगणना होनी थी, लेकिन कोविड-19 महामारी के कारण इसे टाल दिया गया था।

बिहार में अक्टूबर-नवंबर में चुनाव हैं, इसलिए कयास लगाए जा रहे हैं कि सरकार सिंतबर में ही जनगणना की शुरुआत कर सकती है। इसे पूरा होने में कम से कम 1 साल लगेगा, इसलिए जातिगत जनगणना के अंतिम आंकड़े 2026 के अंत या 2027 की शुरुआत तक आ सकते हैं।

जाति जनगणना के ऐलान के बाद राहुल गांधी ने कहा- हम इसे सपोर्ट करते हैं, लेकिन सरकार को इसकी समय सीमा बतानी होगी। हमने तेलंगाना में कास्ट सेंसस कराया, इसे मॉडल बनाया जा सकता है। हमें कास्ट सेंसस से आगे जाना है। किस जाति की ऊंचे पदों में कितनी हिस्सेदारी है, ये पता करनी है।

पूरे देश में जनगणना के लिए सरकारी कर्मचारियों की नियुक्ति होती है, इन्हें एन्यूमेरेटर कहते हैं। ये तय किए गए इलाकों में पहुंचकर तमाम जानकारियां जुटाते हैं। जनगणना दो हिस्सों में होती है-

हाउस लिस्टिंग और हाउस सेंसस: 1 से दो महीने के समय में सभी कच्चे-पक्के घरों की गिनती, बिजली, पेयजल, शौचालय, प्रॉपर्टी जैसे सवाल पूछे जाते हैं। अप्रैल-मई 2010 में इसमें 45 दिन का समय लगा था।

पापुलेशन काउंटिंग: इसमें करीब 1 महीने का समय लगता है। इसमें लोगों की उम्र, लिंग, परिवार, जन्म की तारीख, वैवाहिक स्थिति, पता, रोजगार, धर्म और SC/ST हैं तो उसकी डिटेल्स पूछी जाती हैं।

जनगणना का रिकॉर्ड बताता है कि हर बार पूछे जाने वाले सवालों की संख्या बढ़ जाती है। मसलन, 2001 की तुलना में 2011 की जनगणना में कई एक्स्ट्रा सवाल पूछे गए। जैसे- जहां आप नौकरी करते हैं वो जगह आपके घर से कितनी दूर है। गांव का नाम भी पहली बार पूछा गया था।

आखिर में इस डेटा को इकठ्ठा करके इसे नेशनल पॉपुलेशन रजिस्टर में दर्ज किया जाता है। जनगणना अधिनियम 1948 के तहत जनगणना का विस्तृत डेटा गोपनीय रखा जाता है।

2011 तक जनगणना फॉर्म में कुल 29 कॉलम होते थे। इनमें नाम, पता, व्यवसाय, शिक्षा, रोजगार और माइग्रेशन जैसे सवालों के साथ केवल SC और ST कैटेगरी से ताल्लुक रखने को रिकॉर्ड किया जाता था। अब जाति जनगणना के लिए इसमें एक्स्ट्रा कॉलम जोड़े जा सकते हैं।

पॉलिटिकल एनालिस्ट रशीद किदवई कहते हैं कि मुसलमानों में भी कई पिछड़ी जातियां हैं। उनकी भी गिनती की जाएगी। मुख्य समस्या जनगणना के बाद शुरू होगी, जब इसे लेकर योजनाएं और रिजर्वेशन लागू करने की मांग होगी। मुसलमानों के अलावा महिलाओं या किसी भी अन्य जाति वर्ग को लेकर भी नए सिरे से एक बहस छिड़ेगी।

साल 1881 में अंग्रेजों ने पहली बार जनगणना करवाई थी। इसमें जातियों की भी गिनती होती थी। 1931 तक ऐसा ही चलता रहा। तब पूर्ण जातिगत जनगणना हुई थी। 1941 में जातिगत जनगणना तो हुई, लेकिन इसके आंकड़े सार्वजनिक नहीं किए गए।

इसके बाद आजाद भारत की पहली कैबिनेट में शामिल नेहरू, पटेल और आंबेडकर जैसे नेताओं ने तय किया कि जातिगत जनगणना नहीं करवाई जाएगी, क्योंकि इससे समाज में बंटवारा होगा।

आजादी के बाद 1951 में पहली जनगणना हुई, इसमें सभी जातियों के बजाय सिर्फ अनुसूचित जातियों (SC) और अनुसूचित जनजातियों (ST) की गिनती हुई। यानी SC और ST का डेटा दिया गया लेकिन OBC और दूसरी जातियों का डेटा नहीं दिया गया।

तब से ऐसा ही चला आ रहा है। हर दस साल में होने वाली जनगणना में SC और ST के अलावा दूसरी किसी भी जाति का डेटा नहीं दिया जाता है।

1951 से 2011 तक हर 10 साल पर जनगणना होती रही है। इसके पीछे संवैधानिक कारण हैं। दरअसल, संविधान की धारा 330 और 332 में यह प्रावधान है कि SC और ST समुदायों की जनसंख्या के आधार पर उनके लिए लोकसभा और राज्यसभा में सीटें रिजर्व की जाएं।

बिना सही जनसंख्या का पता लगाए उस अनुपात में सीटें रिजर्व करना संभव नहीं है, इसीलिए हर 10 साल में होने वाली जनगणना के साथ ही SC और ST के आंकड़े भी जारी किए जाते हैं। 2021 में जनगणना हुई नहीं है, इसलिए अभी SC और ST सीटों का रिजर्वेशन 2011 की जनगणना के आधार पर ही किया जाता है।

समय-समय पर पिछड़ी जातियों के रिजर्वेशन के लिए सभी जातियों की जनगणना की भी मांग की जाती रही है, लेकिन इसके लिए संविधान में कोई प्रावधान नहीं है।

हालांकि, इस साल बिहार और कर्नाटक जैसे राज्यों में जातिगत सर्वे कराए गए हैं। 2023 में बिहार सरकार ने इसके आंकड़े भी जारी किए थे।

बिहार ने 2 अक्टूबर, 2023 को जातिगत जनगणना (सर्वे) के आंकड़े जारी किए थे। ऐसा करने वाला देश का पहला राज्य बना था। जातिगत जनगणना और जातिगत सर्वे में तीन बड़े फर्क हैं-

1. जातिगत जनगणना का अधिकार सिर्फ केंद्र को

राष्ट्रीय स्तर पर जनगणना करवाना केंद्र सरकार का अधिकार है। 1948 के जनगणना एक्ट के तहत केंद्र सरकार का गृह मंत्रालय जनगणना से जुड़े नियम बनाने, जनगणना के लिए कर्मचारी नियुक्त करने और लोगों से डेटा इकट्ठा करने का काम कर सकता है।

संविधान के आर्टिकल 246 के तहत जनगणना संघ सूची का विषय है। इस सूची में डिफेंस, विदेशी मामले, जनगणना और रेलवे जैसे 100 मुद्दे हैं, जिन पर सिर्फ संसद कानून बना सकती है। राज्य सरकारें अपने राज्य में सामाजिक और आर्थिक मामलों से जुड़ी योजनाएं बनाने के लिए सर्वे करवा सकती हैं। 2008 के सांख्यिकी संग्रह अधिनियम के तहत उन्हें इसका अधिकार है।

किसी सर्वेक्षण के लिए राज्य सरकार कोई कमेटी या आयोग भी बना सकती है। इसी अधिकार के तहत उत्तराखंड ने यूनिफॉर्म सिविल कोड के लिए कमेटी बनाई और सर्वे करके आंकड़े जुटाए थे।

सैम्पल साइज और डेटा में फर्क

जनगणना पूरे देश में चलने वाली एक लंबी प्रोसेस है। इसमें एक तय समय के दौरान पूरे देश के लोगों को शामिल किया जाता है, जबकि जातिगत सर्वे का सैम्पल साइज छोटा होता है।

जनगणना में कई तरह के सवाल पूछे जाते हैं, जबकि जातिगत सर्वे में सिर्फ समुदाय, जाति और उपजाति से जुड़े सवाल पूछे जाते हैं। बिहार में हुई जनगणना में सिर्फ 15 सवाल पूछे गए थे।

जनगणना संवैधानिक मुद्दा, जातिगत सर्वे राज्य सरकारों की मर्जी

जनगणना करवाने को लेकर संविधान में प्रावधान हैं। वहीं जातिगत सर्वे राज्य सरकारों की अपनी मर्जी से कराए जाते हैं। इसके पीछे अक्सर राजनीतिक मंशा होती है। जबकि तर्क ये दिया जाता है कि इससे योजनाएं और आरक्षण तय करने में मदद मिलेगी।

सारा संसार

भगवान श्री कृष्ण की प्रेममय लीलास्थली के प्रति लोगों को प्रेरित करने के लिए वृंदावन में एक भव्य मंदिर लीलाधाम की स्थापना की गई। 221 फीट ऊंचे, सफेद पत्थरों वाले मंदिर में नौ मंजिला मंदिर की स्थापना सन 1969 में श्रीमद लीलानंद ठाकुर जी (पागलबाबा) द्वारा की गई।

कुदरत

डॉ कविता सिंधू ख़रीटा

परिंदों की चहचहाहट: आशा की एक विलक्षण भाषा

हर सुबह जब हम अखबार खोलते हैं या टीवी ऑन करते हैं, तो हमारे सामने युद्ध, राजनीति, और समाज की गहरी चिंताओं से जुड़ी खबरें होती हैं। सड़कों पर चलते चेहरे थकान, चिंता और निराशा से भरे होते हैं, लेकिन इसी दुनिया में, इसी समय में, कुछ ऐसा भी है जो हमें इन सबसे ऊपर उठने की शक्ति देता है वो हैं चहचहाते परिंदे। मैंने यह महसूस किया है कि दिन की शुरुआत अगर इन परिंदों को देखकर हो, तो जीवन के कठोर यथार्थ के बीच भी एक मधुर संगीत सुनाई देता है, जो हमें सुकून देता है। कमरे की खिड़की पर बैठा एक छोटा सा परिंदा जब अपने नन्हे पंख फड़फड़ाता है या खुले लॉन में उड़ता है, तो लगता है जैसे प्रकृति हमें अब भी प्रेम और मासूमियत का संदेश दे रही है। इन परिंदों की मौजूदगी हमें याद दिलाती है कि इस जटिल और बेरहम समय में भी अगर हमारे पास देखने के लिए दो भोली आंखें और महसूस करने के लिए एक धड़कता दिल है, तो पृथ्वी पर अभी भी प्रेम, उल्लास और करुणा मौजूद हैं। यह दृश्य महज एक प्राकृतिक सौंदर्य नहीं, बल्कि मानवीय संवेदना का प्रतीक है। यह हमें प्रेरित करता है कि हम अपने भीतर की आशा, विश्वास और करुणा को जीवित रखें क्योंकि करुणा ही हमें सभी जीवों के प्रति आत्मीयता का भाव रखने की प्रेरणा देती है। जब हम परिंदों को देखते हैं, हम मानो खुद से,

और इस दुनिया की सुंदरता से फिर से जुड़ जाते हैं। परिंदों की चहचहाहट केवल ध्वनि नहीं, वह एक मौन संवाद है, जो हमें कहता है कि जीवन अभी समाप्त नहीं हुआ है, कि हर अंधेरे के बाद एक सुबह होती है, और हर सर्दी के बाद बसंत लौटता है। जब ये परिंदे सुबह के शांत आकाश में उड़ते हैं, तो लगता है मानो वे जीवन के गीत गा रहे हों, गीत जो संघर्ष के बावजूद उम्मीदों से भरे हैं। इन नन्हें पंखों में जो उड़ान है, वह केवल आकाश में ऊँचाई को नापने की नहीं, बल्कि हमारे मन में जमी उदासी की परतों को हटाने की है। वे हमें याद दिलाते हैं कि अगर हम चाहे तो हर दिन एक नई शुरुआत हो सकती है एक नई सोच, एक नई ऊर्जा, एक नया विश्वास। आखिरकार, परिंदों की चहचहाहट एक अनकही कविता है प्रकृति द्वारा रची गई, हर दिल को छू लेने वाली, हर आत्मा को जगा देने वाली। यह आशा की वह भाषा है जिसे न तो किसी अनुवाद की आवश्यकता है और न ही किसी औपचारिकता की। यह सीधा दिल से दिल तक पहुंचती है। तो अगली बार जब आप किसी परिंदे को चहचहाते सुनें या उड़ते हुए देखें, तो बस एक पल रुक जाइए और भीतर तक गहराई से महसूस कीजिए कि आप भी उसी आशा का ही एक हिस्सा हैं, जो हर सुबह हमारे आसमान में पंख फैलाकर उड़ान भरती है।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं।)

सजगता से दूर होती है चिंता

संकलित

दर्शन

जब तुम चिंता का अनुभव करो, बहुत चिंताग्रस्त हो जाओ, तब इस विधि का प्रयोग करो। इसके लिए क्या करना होगा? जब साधारणतः तुम्हें चिंता घेरती है, तब तुम क्या करते हो? तुम उसका हल ढूंढते हो। उसके उपाय खोजते हो। लेकिन ऐसा करके तुम और भी चिंताग्रस्त हो जाते हो। तुम उपद्रव को बढ़ा लेते हो, क्योंकि विचार से चिंता का समाधान नहीं हो सकता है। विचार के द्वारा चिंता का विसर्जन नहीं हो सकता है, क्योंकि विचार स्वयं एक तरह की चिंता है। यह विधि बहुत आसान है। यह कहती है कि चिंता के साथ कुछ मत करो। सिर्फ सजग हो जाओ। मैं तुम्हें एक दूसरे जेन गुरु बोकोजू के संबंध में एक पुरानी कहानी सुनाता हूं। वह एक गुफा में अकेले रहते थे, बिल्कुल अकेले। लेकिन दिन में या कभी-कभी रात में भी वह जोरों से कहता थे, 'बोकोजू'। यह उनका अपना नाम था। और फिर वह खुद कहते, 'हां महोदय, मैं मौजूद हूं।' जबकि वहां कोई दूसरा नहीं होता था। उनके शिष्य उससे पूछते थे, 'क्यों आप अपना ही नाम पुकारते हैं और फिर खुद कहते हैं, हां, मैं उपस्थित हूं?' बोकोजू ने कहा, 'जब भी मैं विचार में डूबने लगता हूं तो मुझे सजग होना पड़ता है। इसीलिए मैं अपना नाम पुकारता हूं। जिस क्षण मैं बोकोजू कहता हूं और कहता हूं कि हां महाशय, मैं मौजूद हूं, उसी क्षण विचारणा, चिंता विलीन हो जाती है।' फिर अपने अंतिम दिनों में, आखिरी दो-तीन वर्षों में उन्होंने कभी अपना नाम नहीं पुकारा और न ही यह कहा कि हां, मैं मौजूद हूं।

सिद्धियों का उचित प्रयोग ही करें

संकलित

प्रेरणा

चार विद्वान ब्राह्मण मित्र थे। एक दिन चारों ने संपूर्ण देश का भ्रमण कर हर प्रकार का ज्ञान अर्जित करने का निश्चय किया। चारों ब्राह्मणों ने चार दिशाएं पकड़ीं और अलग-अलग स्थानों पर रहकर अनेक प्रकार की विद्याएं सीखीं। पांच वर्ष बाद चारों अपने गृहनगर लौटे और एक जंगल में मिलने की बात तय की। चूंकि चारों परस्पर एक-दूसरे को अपनी गूढ़ विद्याओं व सिद्धियों को बताना चाहते थे, अतः इसके लिए जंगल से उपयुक्त अन्य कोई स्थान नहीं हो सकता था। जब चारों जंगल में एक स्थान पर एकत्रित हुए तो वहां उन्हें शेर के शरीर की एक हड्डी पड़ी हुई मिली। एक ब्राह्मण ने कहाः मैं अपनी विद्या से इस एक हड्डी से शेर का पूरा अस्थि पंजर बना सकता हूँ। उसने ऐसा कर भी दिखाया। तब दूसरे ब्राह्मण ने कहाः मैं इसे त्वचा, मांस और रक्त प्रदान कर सकता हूँ। फिर उसने यह कर दिया। अब उन लोगों के समक्ष एक शेर पड़ा था, जो प्राणविहीन था। अब तीसरा ब्राह्मण बोलाः मैं इसमें अपनी सिद्धि के चमत्कार से प्राण डाल सकता हूँ। चौथे ब्राह्मण ने उसे यह कहते हुए रोकाः यह मूर्खता होगी। हमें तुम पर विश्वास है, किंतु यह करके न दिखाओ। किंतु तीसरे ब्राह्मण का तर्क था कि ऐसी सिद्धि का क्या लाभ जिसे क्रियान्वित न किया जाए। उसका हठ देखकर चौथा ब्राह्मण तत्काल पास के पेड़ पर चढ़कर बैठ गया। तीसरे ब्राह्मण के मंत्र पढ़ते ही शेर जीवित हो गया। प्राणों के संचार से शेर को आहार की आवश्यकता महसूस हुई और उसने सामने मौजूद तीनों ब्राह्मणों को मारकर खा लिया। चौथे ब्राह्मण ने समझदारी से अपने प्राण बचा लिए।

अंतर्मन

आज की पाती

प्राइवेट सिस्टम : आम आदमी की जेब पर हमला

भारत एक ऐसा देश है जहां शिक्षा और स्वास्थ्य को बुनियादी अधिकार माना जाता है। लेकिन जब यही अधिकार एक व्यापार का रूप ले लें, तो आम आदमी की जिंदगी में यह अधिकार बोझ बन जाते हैं। आज के दौर में प्राइवेट स्कूल और प्राइवेट हॉस्पिटल सुविधाओं के नाम पर ऐसी व्यवस्था खड़ी कर चुके हैं जो आम नागरिक की जेब पर सीधा हमला करती है। यह हमला सिर्फ आर्थिक नहीं, मानसिक और सामाजिक भी है। प्राइवेट स्कूलों की बात करें तो अब ये शिक्षण संस्थान कम और फाइव स्टार होटल ज्यादा लगते हैं। स्कूल में दाखिले के लिए लाखों की डोनेशन, एडमिशन फीस, एनुअल चार्जेस, ड्रेस, किताबें, जूते, बस फीस, हर चीज में अलग-अलग मदों के नाम पर वसूली होती है। - चंद्रकांत पांडे, रायगढ़

करंट अफेयर

संरा महासभा ने जर्मनी की बेयरबॉक को अध्यक्ष चुना

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने गुप्त मतदान की रूस की मांग के बीच जर्मनी की पूर्व विदेश मंत्री एनालेना बेयरबॉक को 193 सदस्यीय विश्व निकाय का अगला प्रमुख चुना। बेयरबॉक को 167 वोट मिले जो कि जीत के लिए आवश्यक 88 वोटों से लगभग दोगुने है जबकि उच्च पदस्थ जर्मन राजनयिक हेल्गा शिमड को लिखित रूप मे सात वोट मिले वहीं 14 देशों ने मतदान मे भाग नही लिया। जर्मनी ने महासभा के अध्यक्ष पद के लिए शिमड को नामित किया था, लेकिन हाल में हुए चुनाव में देश के विदेश मामलों के प्रमुख के पद से बैरबॉक की हार के बाद उन्हें ही नामित किया। इस निर्णय की जर्मनी मे आलोचना भी की गई थी। जब 15 मई को बेयरबॉक अपनी उम्मीदवारी पर चर्चा करने के लिए महासभा के समक्ष उपस्थित हुईं तो संयुक्त राष्ट्र में रूस के उप राजदूत दिमित्री पोलियांस्की ने उन पर हमला बोलते हुए कहा था, ''सुश्री बेयरबॉक ने बार-बार अपनी अक्षमता, अत्यधिक पूर्वाग्रह और कूटनीति के बुनियादी सिद्धांतों की समझ नहीं होना साबित किया है।'' पोलियांस्की ने उन पर ''रूस विरोधी नीति'' अपनाने का आरोप लगाया साथ ही इस बात पर संदेह व्यक्त किया कि वह महासभा की अध्यक्ष के रूप में ''शांति और वार्ता के हित में कार्य करने मे सक्षम होंगी।''

ऑफ बीट

क्या एआई एक संज्ञानात्मक क्रांति को जन्म दे रही है?

कृत्रिम मेधा (एआई) की शुरुआत मानव मस्तिष्क का अनुकरण करने की खोज के रूप मे हुई थी। लेकिन अब यह हमारे दैनिक जीवन मे मानव मस्तिष्क की भूमिका को बदलने की प्रक्रिया मे है? औद्योगिक क्रांति ने शारीरिक श्रम की आवश्यकता को कम कर दिया था। अंतरराष्ट्रीय व्यापार में एआई के अनुप्रयोग पर शोध करने वाले व्यक्ति के रूप में मैं यह सोचने से खुद को नहीं रोक सका कि क्या एआई ज्ञान संबंधी क्रांति को बढ़ावा दे रही है या फिर ज्ञान संबंधी प्रक्रियाओं की आवश्यकता को समाप्त कर रही है क्योंकि एआई विद्यार्थियों, श्रमिकों और कलाकारों के लेखन, डिजाइन और निर्णय लेने के तरीके को नया आकार देती है। ग्राफिक डिजाइनर अपने ग्राहकों को अपने काम का नमूना दिखाने के लिए एआई का उपयोग करते हैं। बाजार में मौजूद कंपनियां एआई निर्मित प्रोफाइल बनाकर इस बात की तसदीक करती हैं कि उनके विज्ञापन किस तरह काम करेंगे। सॉफ्टवेयर इंजीनियर एआई कोडिंग सहायकों से काम कराते हैं। छात्र रिकॉर्ड समय मे निबंध की तैयारी के लिए एआई का उपयोग करते हैं और शिक्षक प्रतिक्रिया देने के लिए इसी तरह के टूल का उपयोग करते हैं। आर्थिक और सांस्कृतिक निहितार्थ हैं ज्यादा क्या होगा, जब लेखक को सही वाक्य लिखने के लिए संघर्ष नहीं करना पड़ेगा।

ट्रेंड

रचनात्मक भूमिका को तैयार

अन्नालेना बारबॉक को संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष के रूप में चुने जाने पर बधाई। महासभा की महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए, भारत आपके नेतृत्व में साझा लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए रचनात्मक भूमिका निभाने के लिए तैयार है।

-एस जयशंकर, विदेश मंत्री

बिना शर्त रिहाई का आह्वान

जून मे यमन मे हूथी अधिकारियों द्वारा राजनयिक मिशनों के दर्जनों कर्मियों को मनमाने ढंग से हिरासत मे लिए जाने की घटना को एक साल हो गया है। मै उनकी तत्काल और बिना शर्त रिहाई के लिए अपना आह्वान दोहराता हूं।

-एंटोनियो गुतारेस, यूएन महासचिव

बीजेपी सिर्फ़ चुनाव लड़ेगी

भारतीय सेना पाकिस्तान से लड़ेगी। भारतीय सेना चीन से लड़ेगी। जनता अशिक्षा से लड़ेगी। बेरोजगारी से लड़ेगी। महंगाई से लड़ेगी। करोना से लड़ेगी। बीजेपी सिर्फ़ चुनाव लड़ेगी।

-संजय सिंह, आप नेता

रोगियों के लिए अच्छी खबर

बिकारा ने सिर, गर्दन के कैंसर मे फिसेराफुस्प अल्फा कीटुडा के लिए उत्तरजीविता डेटा प्रस्तुत किया: 21.3 महीने - 2 साल बाद गहरी और टिकाऊ प्रतिक्रिया अंतिम चरण के एचएनएससीसी रोगियों के लिए बहुत अच्छी खबर है।

-किरण मजूमदार-शॉ, उद्योगपति

रॉयल पत्रिका

तनाव, चिंता और डिप्रेशन के बढ़ते मामलों पर संवाद कार्यक्रम सम्पन्न

-विशेषज्ञों ने बताए मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े कारण और समाधान

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। अहसास सोशल वेलफेयर सोसायटी सवाई माधोपुर एवं संपर्क साहित्य संस्थान जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में युवाओं एवं वयस्कों में बढ़ते तनाव, चिंता और डिप्रेशन के कारणों एवं समाधान पर केंद्रित चर्चा-परिचर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अहसास सोशल वेलफेयर सोसायटी के चेयरमेन सोहेल अनवर ने की।

इस अवसर पर वक्ताओं ने मानसिक स्वास्थ्य की गंभीर चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा करते हुए बताया कि आज के समय में युवाओं पर सामाजिक व आर्थिक दबाव, बदलती जीवनशैली, पारिवारिक व सामाजिक अपेक्षाएं और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता की कमी जैसी कई वजहें तनाव एवं अवसाद को बढ़ावा दे रही हैं। कार्यक्रम में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने, संवाद को प्रोत्साहित करने एवं उचित परामर्श व्यवस्था विकसित करने पर जोर दिया गया। इस दौरान प्राप्त महत्वपूर्ण सुझावों एवं निष्कर्षों को राज्य सरकार एवं संबंधित गैर-सरकारी संगठनों तक भेजे जाने का निर्णय लिया गया, ताकि इन विचारों को नीतिगत स्तर पर उपयोग किया जा सके।

मुख्य वक्ताओं में संस्थान की वाइस चेयरपर्सन डॉ. आरती रानी भदौरिया, संपर्क साहित्य संस्थान जयपुर की महासचिव डॉ. रेनू शब्द मुखर, डॉ. शिवानी शर्मा, डॉ. अमित जैमनी, शाहीन जावेद एडवोकेट (जयपुर), इकबाल अनवर एडवोकेट (जयपुर), अनिल कुमार सक्सेना, मुकेश कर्दम, पीयूष सिंहल, टीकू सिंहल, जावेद अनवर, शादाब मुखर, अल्ताफ नूर तथा यशवर्धन सिंह जैसे गणमान्य व्यक्ति शामिल रहे।

मुस्लिम प्रतिभा सम्मान समारोह

-पोस्टर विमोचन किया कार्यक्रम 22 जून को

जोधपुर, (रॉयल पत्रिका)। नवीन जोधाणा जागरूक मंच संस्थान की ओर से आयोजित मुस्लिम प्रतिभा सम्मान समारोह को लेकर पोस्टर विमोचन किया गया। संस्थापक साजिद खान ने बताया कि पोस्टर विमोचन सलीम पंवार, रहीम सांखला, रसीद अंसारी, पार्षद असलम खान और शकील पठान के हाथो पोस्टर विमोचन करवाया गया। प्रदेशाध्यक्ष इंसाफ अली भाई जान और अध्यक्ष इमरान कुरैशी ने बताया कि मुस्लिम प्रतिभा सम्मान समारोह को लेकर पोस्टर विमोचन किया गया जिसमें निर्णय लिया गया कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी 10 वीं एवं 12 वीं उत्तीर्ण मुस्लिम समाज के तमाम विद्यार्थियों को हौसला-अफजाई के लिए प्रतिभा सम्मान समारोह 22 जून को कारवां गार्डन

में आयोजित किया जाएगा। संस्था के सैय्यद हैदर अली ने बताया कि कार्यक्रम को योजनाबद्ध तरीके से करने के लिए 10 वीं 12 वीं उत्तीर्ण विद्यार्थीयो के 125 आवेदन आ चुके हैं। संस्था सचिव शकील अहमद ने बताया कि बैठक में वरिष्ठ अध्यापक मोहम्मद यासीन, इरफान कुरैशी, रहीम सांखला, सलीम पवार, रशीद अंसारी, शकील पठान, सैय्यद हैदर अली, प्रदेशाध्यक्ष इंसाफ अली, नूर मोहम्मद, मोहम्मद अली, अध्यक्ष इमरान कुरेशी, आसिफ नूरी, युसूफ लोहानी, संस्थापक साजिद खान, इकबाल नुरी, समाजसेवी मोहम्मद जावेद, मोहम्मद आरिफ, इफ्तिखार, मोहम्मद हारुन, मोहम्मद सलीम मुन्ना,शाहरुख खान, सचिव शकील अहमद, सनवर, मोहम्मद आसिफ, आफताब, आसिफ खान सिन्धी उस्मान कुरैशी अशफाक आदि उपस्थित रहे।

मिश्रीमल बने रानी ब्लॉक राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के अध्यक्ष

-30जून तक कार्यकारणी बनाने के दिए निर्देश

पाली, (रॉयल पत्रिका)। राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के प्रदेश अध्यक्ष सी बी यादव के निर्देशानुसार प्रदेश महामंत्री और जोधपुर संभाग के प्रभारी की स्वीकृति पर पाली जिला अध्यक्ष मदन सिंह जागरवाल ने पाली जिले के रानी ब्लॉक के अध्यक्ष पद पर मिश्रीमल घांची परमार रानी गांव को अध्यक्ष नियुक्त किया है। ब्लॉक अध्यक्ष मिश्रीमल घांची परमार के रानी ब्लॉक अध्यक्ष बनने पर जिला कांग्रेस के पूर्व सचिव जय सिंह राजपुरोहित रानी गांव, पंचायतीराज के प्रदेश सचिव पाबू सिंह राणावत, मांगीलाल साठिया, वेलाराम आगरी, छोटू सिंह राजपुरोहित, रानी यूथ कांग्रेस केअध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह सिसोदिया, इश्तियाक अफरीदी, प्रतिपक्ष नेता इलियास चढ़वा, पार्षद अकरम, कपूराराम प्रजापत, मालाराम रानी हनुवंत सिंह ज्वाली सहित रानी ब्लॉक के

कई कांग्रेस पदाधिकारियों ने खुशी जाहिर करते हुए प्रदेश अध्यक्ष सी बी यादव संभाग प्रभारी बलदेव बेनीवाल पाली प्रभारी श्रीमती कीर्ति कच्छवाह पाली जिला अध्यक्ष मदन सिंह जागरवाल का आभार व्यक्त किया और कहा कि मिश्रीमल परमार को रानी ब्लॉक अध्यक्ष का पंचायती राज अध्यक्ष बनने पर रानी ब्लॉक में पंचायतीराज संगठन और अधिक मजबूत होगा।

अहमदाबाद विमान हादसे में मृतकों को श्रद्धांजलि - जिला कांग्रेस कमेटी

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। शनिवार को रात्रि के 8:00 बजे सिविल लाइन सवाई माधोपुर स्थित कांग्रेस कार्यालय में 12 जून 2025 को अहमदाबाद में विमान क्रैश से हुए हादसे को लेकर मृतकों को श्रद्धांजलि दी गई एवं कांग्रेस कार्यालय से कैंडल मार्च निकालकर उनकी आत्मा को ईश्वर से शांति प्रदान करने की सबने प्रार्थना की कैंडल मार्च में कांग्रेस जिला अध्यक्ष गिर्राज सिंह गुर्जर, संगठन महामंत्री हरिमोहन शर्मा, जिला महासचिव सोनिका शर्मा,

सतीश श्रीवास्तव, जिला प्रवक्ता बीपी सिंह रजाना, जिला मीडिया प्रभारी अजय शर्मा, कार्यालय प्रभारी संजय गौतम पार्षद, जिला सचिव कुलदीप जैन, बृजमोहन सिसोदिया, विकी कार्यकर्ता, दुर्गा सिंह, लक्ष्मी बैरवा, सत्यनारायण सैनी, गीता देवी, शर्मा राजेश सिंह आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हिन्दू जागरण मंच ने प्लेन दुर्घटना में दिवंगत हुई पुण्यात्माओं के लिए मोमबत्ती जलाकर श्रद्धाजंलि दी

बारां, (रॉयल पत्रिका)। गत दिनों गुजरात के अहमदाबाद से लंदन जा रही फ्लाइट दुर्घटना में दिवंगत हुई पुण्यात्माओं के लिए हिन्द जागरण मंच के कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रीय अध्यक्ष महेश खुराना की मौजूदगी में मोमबत्ती जलाकर दो मिनट का मौन धारण कर श्रद्धाजंलि अर्पित की गई। साथ ही पूरे मामले की जांच की मांग की है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष खुराना ने कहा कि फ्लाईट दुर्घटना हृदय विधारक घटना है। हर भारतवासी इस घटना से बहुत दुखी है। बांसवाडा के रहने वाले एक डॉक्टर का परिवार इस घटना में मारे गए। जिसमें तीन छोटे-छोटे मासूम बच्चे थे। वहीं गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी की भी इस घटना में मौत हो गई। चमत्कारिक रूप से एक दो जने ही इस घटना में बच पाए हैं। खुराना ने बताया कि जिस बिल्डिंग से फ्लाइट टकराई, उस बिल्डिंग में एक हॉस्टल संचालित था, जहां छात्र लंच कर रहे थे, कई छात्रों की भी इस घटना में मौत हुई है। खुराना ने घटना की जांच की मांग की है। इस अवसर पर अक्षय नरवाल, विक्रम डांगोरिया, बसंतलाल, सुमित नरवाल, रामकरण बैरवा, रामप्रसाद, सुरेंद्र सिंह, हेमंत मीणा, जाकिर भाई, दानिश मोहम्मद, नवल सिंह कुशवाह, डब्बू मीणा समेत अन्य सदस्य मौजूद रहे।

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत 15 से 30 जून तक आयोजित होंगे शिविर

-शिविर में आधार कार्ड, राशन कार्ड, जाति प्रमाण पत्र आदि का लाभ मिलेगा

बारां, (रॉयल पत्रिका)। जिले में 15 जून से 30 जून 2025 तक धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान चलाया जाएगा। जिसके सफल क्रियान्वयन के लिए जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर की अध्यक्षता में शनिवार को मिनी सचिवालय में बैठक का आयोजन किया गया।

जिला कलक्टर ने कहा कि 15 जून को ग्राम पंचायत असनावर, रामगढ़, बैहटा एवं खुशियारा में शिविर आयोजित किए जाएंगे। बैठक में जिला कलक्टर ने कहा कि जनजातीय समुदायों के समग्र विकास और उनके जीवन स्तर को सुधारने की दिशा में धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान एक महत्वपूर्ण कदम है। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान का उद्देश्य सामाजिक बुनियादी ढांचे में स्वास्थ्य, शिक्षा एवं आजीविका के महत्वपूर्ण अंतराल को समाप्त करना है। जिले में धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान अंतर्गत समस्त ब्लॉको की 132 ग्राम पंचायतों का चयन किया गया है। जिनमें 15 जून से 30 जून 2025 तक ग्राम पंचायत स्तर पर शिविरों का आयोजन किया जाना है। जिले के जनजातीय समुदाय के लोगों को इस अभियान से बुनियादी सेवाओं का सीधा लाभ मिले, इसके लिए उन्होंने जिला परिषद सीईओ व संबंधित विभागीय अधिकारियों को कार्ययोजना के तहत कार्य करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के सफल संपादन हेतु विभिन्न एजेंडा पर विस्तृत चर्चा की गई।

15 जून से 30 जून तक धरती आबा अभियान अंतर्गत चलने वाले शिविर में जनजाति परिवारों हेतु आधार कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, मूल निवासी प्रमाण पत्र, एनएफएसए, राशन कार्ड, जॉब कार्ड, मनरेगा, आयुष्मान भारत कार्ड, प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना, टीबी निवारण कार्यक्रम, मिशन इन्द्रधनुष एवं एससीडी कार्ड, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, वन धन योजना, पीएम जन धन योजना मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, स्टैंड अप इंडिया, किसान क्रेडिट कार्ड, पीएम किसान सम्मान निधि, पेंशन योजना, दिव्यांग पेंशन योजना, पीएम सुरक्षा बीमा योजना, विधवा पेंशन योजना, पालनहार योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदन योजना, पौशन अभियान, मातृ एवं शिशु कल्याण आदि योजनाओं से वंचित परिवारों को लाभान्वित किया जाएगा। आईईसी केम्प के सफल संचालन हेतु अतिरिक्त कलक्टर एवं परियोजना अधिकारी शाहबाद को नोडल अधिकारी एवं जिले के समस्त उपखण्ड अधिकारियों को सहायक नोडल अधिकारी बनाया गया है। बैठक में एडीएम दिवांशु शर्मा, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजवीर सिंह चौधरी, संयुक्त निदेशक कृषि धनराज मीणा, डीएसओ अनिल चौधरी, जिला परिवहन अधिकारी डॉ. कल्पना शर्मा, जनसम्पर्क सहायक निदेशक योगेंद्र शर्मा सहित योजना से संबंधित 17 विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

गीतांजली हॉस्पिटल में फादर्स डे पर विशेष कार्यक्रम आयोजन किया गया

-कार्यक्रम में सम्मान, स्वास्थ्य और भावनाओं की अनमोल अभिव्यक्ति

उदयपुर, (रॉयल पत्रिका)। गीतांजली हॉस्पिटल में शनिवार को फादर्स डे पर विशेष कार्यक्रम "पिता – अनुभवों की दौलत" का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में महाराणा प्रताप वरिष्ठ नागरिक संसथान के अध्यक्ष भंवर सेठ और लगभग 200 वरिष्ठ नागरिकों ने भाग लिया| वरिष्ठ नागरिकों का स्वागत उपर्णा पहनाकर मार्केटिंग हेड कल्पेश चन्द रजबार द्वारा किया गया।

महाराणा प्रताप वरिष्ठ नागरिक संस्था के अध्यक्ष भंवर सेठ जी ने फादर्स डे के अवसर पर उपस्थितजनों को भावभीना संबोधन दिया, जिसमें उन्होंने "पिता" की जीवन में भूमिका, अनुशासन और त्याग पर मार्मिक बातें साझा कीं।

फादर्स डे पर वरिष्ठ नागरिकों द्वारा कविता पाठ प्रस्तुत किये गए, जिसने सभी को भावविभोर कर दिया।

डॉ. संजय गांधी – CTVS सर्जन, डॉ. आशीष जाखेटिया – कैंसर सर्जन, डॉ. पंकज त्रिवेदी – यूरोलॉजिस्ट, डॉ. दिलीप जैन – हृदय रोग विशेषज्ञ, गीतांजली डेंटल से डॉ. सौरभ ने कार्यक्रम की एक विशेष कड़ी रही विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा स्वास्थ्य संबंधी जानकारी व जागरूकता प्रदान की गयी व सवाल जवाब भी किये गए|

हर्निया लेप्रोस्कोपिक सर्जन डॉ. मोहित कुमार बडगुजर द्वारा गीतांजली हॉस्पिटल में लेप्रोस्कोपिक सर्जरी द्वारा किये जा रहे सफल ऑपरेशन को चित्रों के माध्यम से दिखाया व गीतांजली हॉस्पिटल में मौजूद अत्याधुनिक तकनीकों के बारे में भी जानकारी प्रदान की_

सभी डॉक्टरों ने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने, नियमित परीक्षण करवाने और वृद्धावस्था में सतर्कता के महत्व पर जोर दिया।

कल्पेश चन्द रजबार द्वारा भंवर सेठ जी को फादर्स डे मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के अंतर्गत वरिष्ठ नागरिकों द्वारा गीत व कविता की मनमोहक प्रस्तुतियाँ दी गईं। साथ ही, कई वरिष्ठ सदस्यों ने अपने पिता से जुड़े संस्मरण एवं पिता होने के अनुभव साझा कर माहौल को भावनात्मक और प्रेरणादायक बना दिया।

कार्यक्रम का संचालन हेड पी.आर हरलीन गंभीर ने किया व सभी अतिथियों, वरिष्ठ नागरिकों, डॉक्टरों का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम का समापन किया।

यह आयोजन फादर्स डे को समर्पित एक ऐसा मंच साबित हुआ, जिसने अनुभव, सम्मान और संवेदना को एक सूत्र में पिरोया।

बोर्ड परीक्षा उत्कृष्ठ परीक्षा परिणाम लाने वाले विधार्थियो का किया सम्मान

पाली, (रॉयल पत्रिका)। शहर के पुलिस लाईन रोड स्थित आउटरीच मिषन उच्च माध्यमिक विद्यालय मे शनिवार को विभिन्न बोर्ड परीक्षाओ मे उत्कृष्ठ परीक्षा परिणाम लाने वाले विधार्थियों का माला स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

प्रधानाचार्य जे.थिरूमारन डेनियल ने बताया कि विद्यालय के स्टाफ की कडी मेहनत एवं विधार्थियों की लगन के कारण ही उन्होने बारहवी, दसवी,आठवी एवं कक्षा 5 बोर्ड मे अच्छे अंको से पास होकर अपना व विद्यालय का नाम रोशन किया। श्रीमती एस.एस.रूबी डेनियल ने कहा कि विद्यालय के कुछ छात्रो ने कम सुविधा होने के बावजूद अच्छे प्रयास किए यही वजह है कि उनकी मेहनत रंग लाई। कार्यक्रम मे अभिभावक विक्रम सिंह परिहार, विनोद बाबानी, लोकेश सिंघाडिया, महेश गोपलानी, मनीष तिलक समेत कई अभिभावको ने भी विचार रखे।

इनका हुआ सम्मान - विधार्थी सम्मान समारोह कार्यक्रम मे विज्ञान वर्ग के अर्पित राज सोनी, दीपशिखा सिंघाडिया, मेत्री लोढा, विशाल सोनी, कुलदीप सोनी, देवेन्द्र सिंह राठौड, कृष चौहान, रजत, तनुश्री कंवर, मंयक सिंह, गजेन्द्र गुर्जर, भूमिका भाटी, गरिमा वाधवानी, करमवीर सिंह, वाणिज्य वर्ग के सीमा कंवर, माही घारू एवं मनजीत सिंह कक्षा दशम में आयुश गोड, रूपीन चौहान, दक्ष तिलक, भव्य बाबानी, रणवीर सिंह परिहार, यांसिका चौहान, इशिका गोपलानी, छार्वी राठौड, मोहन सिंह, खुशबू राणावत, भावेश राजावत, चंचल राज कंवर, योशिता सिंह महेश प्रजापति, शौर्यवर्धन के अलावा कक्षा आठवी एवं कक्षा 5 बोर्ड मे उत्कृष्ठ परीक्षा परिणाम लाने वाले विधार्थियो का सम्मान किया गया। इस मोके पर दिनेश राजावत, फरमान मो., ज्ञानेश्वर नाथ, प्रकाश मेवाडा, श्रीमजी सुनिता पारीक, श्रीमती अर्चना टेलर, श्रीमती चिंकी समेत विद्यालय स्टाफ मौजूद रहा।

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पिपलाई के नवनिर्मित भवन का किया उद्घाटन

-सस्ती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता - मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म

सवाई माधोपुर, (रॉयलपत्रिका)। राज्य मंत्री, गृह, गोपालन, पशुपालन एवं डेयरी, मत्स्य विभाग जवाहर सिंह बेढ़म शनिवार को सवाई माधोपुर जिले के दौरे पर रहे। इस दौरान पिपलाई सरपंच अनबो देवी ने मुख्य अतिथि राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म एवं पूर्व विधायक गंगापुर सिटी मानसिंह गुर्जर की उपस्थिति में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पिपलाई के नवनिर्मित भवन का फीता काटकर उद्घाटन किया। इस अवसर पर सभी जनप्रतिनिधियों ने 1 करोड़ 43 लाख रूपये की लागत से निर्मित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पिपलाई के नवनिर्मित भवन में लेबोरेट्री, पर्ची काउंटर, निःशुल्क दवा वितरण केंद्र, टीकाकरण कक्ष, जनरल वार्ड का अवलोकन किया।

राज्य मंत्री बेढ़म ने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश के हर व्यक्ति को सुलभ, सस्ती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। केन्द्र व राज्य सरकार इस दिशा में निरंतर कार्य कर आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों तक समुचित स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के लिए राज्यभर में स्वास्थ्य केंद्रों का निर्माण कराया जा रहा है। पिपलाई में इस नए स्वास्थ्य केन्द्र की शुरुआत ग्रामीणों के लिए संजीवनी सिद्ध होगी।

इस दौरान राज्य मंत्री बेढ़म ने केंद्र व राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं और उपलब्धियों पर भी प्रकाश डालते हुए कहा कि

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में हमारी सरकार पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना के माध्यम से चंबल कालीसिंघ पार्वती नदी का पानी भरतपुर लालसोट की धरती पर लाकर खेती की प्यास बुझाने का भागीरथी कार्य कर रही है। साथ ही जल जीवन मिशन के तहत घर-घर नल से शुद्ध पेयजल पहुंचाने का सपना साकार हुआ है। मुख्यमंत्री ने किसानों की आयु दुगुनी करने की दृढ़ इच्छाशक्ति के मध्यनजर प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की राशि को बढ़ाकर 9 हजार रूपये की है। मंगला पशु बीमा योजना और मोबाइल वेटनरी वैन के माध्यम से पशुपालकों को राहत दी जा रही है। आतंकवाद के विरुद्ध केंद्र सरकार द्वारा ऑपरेशन सिंदूर जैसे निर्णायक कदम उठाए गए हैं, जिससे देश की सुरक्षा और आत्मगौरव सुदृढ़ हुआ है।

आयुष्मान भारत कार्ड वितरित कर जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने का आह्वान:-

मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के माध्यम से 25 लाख रुपये तक के वार्षिक मुफ्त इलाज की सुविधा दी जा रही है, जिससे गरीब और वंचित वर्ग को निजी अस्पतालों में भी निशुल्क इलाज मिल रहा है। इस अवसर पर मंत्री बेढ़म ने मनभर, शिमला देवी, सतरा, शंभूदयाल सैनी सहित 16 लाभार्थियों को आयुष्मान भारत कार्ड वितरित किए। मंत्री ने ग्रामीणों से अपील की कि वे योजना से जुड़कर अपने परिवार की स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करें। इस दौरान मंत्री ने सीएमएचओं डॉ. अनिल कुमार जैमिनी को अस्पताल में रिक्त पदों को भरने के लिए जल्द वैकल्पिक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए ताकि आमजन को बेहतर चिकित्सा सुविधा मिल सकेगी।

वन्दे गंगा जल संरक्षण जन अभियान

पाली, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार की प्रेरणा से राज्य में 5 जून से 20 जून तक "वन्दे गंगा" जल संरक्षण के लिये चलाये जा रहे जल अभियान के अन्तर्गत गत दिवस को जिला कलक्टर एलएन मंत्री पाली की अध्यक्षता में भामाशाहों दानदाताओं के साथ सीएसआर की बैठक आयोजित हुयी। बैठक में जिले के भामाशाहो, दानदाताओं, आमजन, कॉरपोरेट सेक्टर एवं सीएसआर के तहत जल संरक्षण एवं जल संचय कार्य किये जाने के लिये आगाज किया गया एवं पूर्व में किये गये कार्यों की समीक्षा की गई।

बैठक में "वन्दे गंगा" जल संरक्षण के लिये चलाये जा रहे जल अभियान के तहत जिला कलकटर मंत्री ने उपस्थित भामाशाहो, दानदाताओं, उधमियों एवं सीएसआर कम्पनीयों से निवेदन किया गया कि जल की आवश्यकता एवं उपयोगिता महत्व से अवगत कराते हुये जल संरक्षण एवं जल संचय को महत्वपूर्ण बताते हुये सरकार द्वारा जिलें मं 539 कार्य चिन्हित किये गये है, उनमें से आप अपने क्षेत्र के आस-पास के गावों के कार्यों को अपने स्तर पर कार्य करवाये जा सकते एवं राज्य स्तरीय खाता "मुख्यमंत्री जल स्वालम्बन अभियान 2.0 समिति राजस्थान के खाता में अपना अंशदान जमा करा सकते है।

"मुख्यमंत्री जल स्वालम्बन अभियान 2.0 समिति राजस्थान के खाता में लगभग 3.00 करोड रूपये का अंशदान देने के लिये सहमति इस अवसर पर उपस्थित भामशाहो, दानदाताओं, उधमियों एवं सीएसआर कम्पनीयों द्वारा अपने स्तर से चिन्हित गावों के कार्यों को कराने की सहमति प्रदान की गई एवं राज्य स्तरीय खाता "मुख्यमंत्री जल स्वालम्बन अभियान 2.0 समिति राजस्थान के खाता में लगभग 3.00 करोड रूपये का अंशदान देने के लिये सहमति दी गई।

बैठक में अतिरिक्त कलक्टर डॉ. बजरंग सिंह ,मुख्य कार्यकारी अधिकारी मुकेश चौधरी, क्षेत्रीय प्रबंधक रीको लि० पी.के. गुप्ता, महाप्रबंधक जिला उधोग केन्द्र सैयय्द रज्जाक अली, प्रदुषण नियंत्रण मण्डल वेदान्त सोलंकी, सचिव सीईटीपएस.पी. चौपडा, प्रांतीय अध्यक्ष लघु उधोग भारती विनय जैन, प्राजुल फैशन प्रांजुल गोगड, बहादुर सिंह खांलसा अध्यक्ष एवं रामकिशोर गोयल सचिव-फालना उधोग मण्डल, मुन्ना सिंह, प्रबंधक महाराजा उम्मेद मिल्स लि०, प्रतिनिधि-सेलो ग्रुपशम्भु सिंह, विकास ठाकुर-प्रतिनिधि होटल सुजान, प्रतिनिधि नायरा एनर्जी लि०, मुदित समदडिया प्रतिनिध-सुर्य ज्योति टैक्स प्रा०लि० आदि उपस्थित रहे।

प्रेम पिता का दिखाई नहीं देता

इसमें संदेह नहीं कि एक संतान के जीवन में पिता की अहमियत को किसी पैमाने से मापा नहीं जा सकता। वह केवल उसे रचते ही नहीं गढ़ते भी हैं। तभी तो पिता की उदात्त भूमिका का वर्णन पुराणों से लेकर हिंदी समेत विश्व साहित्य में विस्तार से किया गया है। हालांकि तकनीकी प्रभाव और आधुनिक जीवनशैली से अकसर पिता उपेक्षित से नजर आते हैं। ऐसे में हम सभी का दायित्व है कि उन्हें सम्मान के साथ अपनेपन का अहसास भी अवश्य कराएं।

आवरण कथा

डॉ. ओम निश्चल

जब-जब जून का तीसरा रविवार आने को होता है, पिता की छवि आंखों में तैर जाती है। पिता जीवित हों या दिवंगत, इससे उनकी अहमियत पर कोई ज्यादा फर्क नहीं पड़ता। हम सबने अपने बचपन में पिता का लाड़-दुलार पाया है और जिनके पिता जीवित नहीं हैं, वे भी यह मानते हैं कि जो कुछ भी जिंदगी में बेहतर हुआ है, वह पिता की परवरिश के कारण हुआ है। यद्यपि मां को पृथ्वी का दर्जा दिया गया है और कहा गया है, *माता भूमि पुत्रोहम पृथिव्याः।* लेकिन इसी तरह यदि मां धरती है तो पिता को आसमान कहा गया है- एक ऐसा साया जिसे हर बच्चा महसूस करता है और जिसे किसी भी उम्र का व्यक्ति भूल नहीं पाता। इस संबंध में शायर मेराज फैजाबादी का शेर याद आता है- *मुझको थकने नहीं देता ये जरूरत का पहाड़ / मेरे बच्चे मुझे बूढ़ा नहीं होने देते।*

सचमुच बाल-बच्चों से घिरे परिवार में पिता भी बच्चों में ऐसे घुले-मिले रहते हैं कि अपनी उम्र को पीछे छोड़ देते हैं और कभी थका और बूढ़ा नहीं महसूस करते। कम से कम भारतीय परिवेश में पिता और मां की अनिवार्य उपस्थिति अभी परिवार में होती है और उनकी भूमिका भी निर्णायक होती है। यदि बच्चों के लिए मां एक आत्मीय छाया की तरह हैं तो पिता एक दरख्त की तरह। पारिवारिक रिश्ते बहुत जज्बाती होते हैं। कम से कम हिंदुस्तान में आज भी संयुक्त परिवार महफूज है, जहां पिता की सरपरस्ती में बच्चे फूलते-फलते हैं। बल्कि कहें कि हिंदुस्तान में बच्चे अभी भी पिता, मां और बुजुर्गों के मजबूत संरक्षण में रहते हैं तो अतिशयोक्ति न होगी।

पिता होने का मतलब

पितृ दिवस पर जब हम पिता का स्मरण करते हैं तो यह मान कर चलते हैं कि हर एक के भीतर उसके पिता की स्नेह छाया या उसकी मधुर स्मृतियां मौजूद हैं। पिता एक ऐसी संज्ञा है, जिसकी परवरिश के बिना एक बच्चा बड़ा तो होता है लेकिन समग्रता के साथ परिपक्व नहीं हो सकता। पिता की छाया के बगैर बड़े होने वाले बच्चे, ऐसी संवेदना से वंचित रह जाते हैं, जिसमें पारिवारिकता, प्रेम-स्नेह, संस्कार और अभिभावक तत्व के रंग घुले होते हैं। पिता होना केवल एक जैविक इकाई को जन्म देने का श्रेय लेना भर नहीं है बल्कि उन जिम्मेदारियों से भरा होना भी है, जिन्हें पूरा करते हुए वे एक बच्चे को इंसानियत की जीवंत धड़कन के रूप में सहेजते हैं।

विश्व साहित्य में पिता

अकसर पिता के प्रेम को इस रूप में देखा जाता है, जैसे कि वे मां की तरह प्रेम का दिखावा नहीं कर पाते। इस संबंध में हमारे समय के कवियों ने पिता को लेकर बहुत कुछ लिखा है। दुनिया भर के साहित्य को पढ़ें तो पाएंगे कि उनमें पिता की अनेक छवियां विद्यमान हैं। सिल्विया प्लाथ की कविता 'डायरी' इसका एक उदाहरण है तो मार्क इरविन ने भी अपने पिता को आत्मीय संस्मरणों में बांधा है। अपने पिता की कमीज को धोते हुए पोलिश कवयित्री अन्ना स्विर भी जिस मार्मिकता से अपने पिता को याद करती हैं, वह उल्लेखनीय है। वे कहती हैं, 'आखिरी बार मैं धोती हूं कमीज अपने पिता की, जो गुजर गए, कमीज से पसीने की गंध आती है। ये गंध मुझे बचपन से याद है।'

हिंदी कविता में पिता

पिता को लेकर हिंदी के कवियों ने भी तमाम कविताएं लिखी हैं, जिनसे पता चलता है कि कवि, पिता जैसे रिश्ते को लेकर कितने गंभीर हैं। एक पिता के रूप में हिंदी के ख्यात कवि निराला ने अपनी बेटी सरोज पर जो कविता 'सरोज स्मृति' लिखी, वह हिंदी की अमर और अत्यंत मार्मिक शोक गीतिका बन गई।

एक कहावत है कि मां का प्रेम दिखाई देता है, जबकि प्रेम पिता भी करता है पर उसका प्रेम दिखाई नहीं देता। इसी आशय के भाव को जाने-माने कवि चंद्रकांत देवताले ने अपनी एक कविता में व्यक्त किया है। वह कहते हैं, *तुम्हारी निश्छल आंखें तारों सी चमकती हैं/मेरे अकेलेपन की रात के आकाश में/प्रेम पिता का दिखाई नहीं देता/ईश्वर की तरह होता है।* हिंदी के सुधी गीतकार यश मालवीय का पिता पर लिखा यह गीत खासा प्रसिद्ध है- *तुम छत से छाये/ जमीन से बिछे, खड़े दीवारों से/तुम घर के आंगन, बादल से घिरे/रहे बौछारों से।*

ये तो बानगी भर है। हिंदी के पुराने दौर के सुविख्यात कवियों से लेकर नए दौर के कवियों तक ने पिता पर अपने-अपने नजरिए से अनेक यादगार कविताएं लिखी हैं।

केवल दिखावे के लिए न हो लगाव

हर बार पिता दिवस आता है, जो हमें भावुक बना देता है। जिन्हें पिता का स्नेह मिला है, वे उन्हें बहुत ही आत्मीयता से याद करते हैं पर जिन्हें पिता का स्नेह नहीं मिला, वे कितनी कचोट अनुभव करते होंगे आज के दिन। पर विडंबना है कि पिता को याद करने का जो ढंग आज समाज में प्रचलित है, वह कुछ ज्यादा ही दिखावटी लगता है। जितनी श्रद्धा का ज्वार सोशल मीडिया पर पिता के प्रति उमड़ता है, क्या इसका पचास प्रतिशत भी वाकई आज की पीढ़ी अपने पिता से वैसा ही स्नेह करती है? यह सवाल बेमानी नहीं है कि आज समाज में संयुक्त परिवार टूट रहे हैं। प्रायः शहरी परिवारों में पति-पत्नी और बच्चे के अलावा पिता या मां का स्थान नहीं रहा। वे यदि हैं तो अलग रिहाइश में रह रहे हैं। लिहाजा मां-पिता या तो गांव कस्बे में छूट जाते हैं या रहते भी हैं तो बदतर स्थिति में। तो सवाल है, क्या पिता दिवस पर उमड़ने वाला प्रेम केवल दिखावा भर है?

बहरहाल, आज पिता दिवस के मौके पर आशा कर सकते हैं कि जज्बातविहीन होती दुनिया में पुराने जज्बात फिर लौटें, पिता के प्रति बच्चों में आदर पनपे। वे दिखावे में नहीं, सच्चे आदर और स्नेह में भरोसा करें ताकि पारिवारिक संरचना में पिता केवल जन्मदाता के रूप में प्रमाणपत्रों में दर्ज भर होने के लिए न रहें, वह पारिवारिक स्नेह की धुरी भी बने रहें, जहां बच्चों के बीच वह भी सुख हासिल कर सकें। ❋

पौराणिक ग्रंथों में पिता की महत्ता

विश्व के प्राचीनतम माने जाने वाले ग्रंथ ऋग्वेद में पिता की महत्ता गाई गई है। उन्हें ही शिशुओं का रक्षक माना गया है। ऋग्वेद में ही पिता को अग्नि के तुल्य माना गया है। इस तरह परिवार में पिता एक मेरुदंड के समान होता है, जो शिशु के प्रति कल्याणकारी भावना रखता है। 'रामायण' में भी यह लिखा गया है-

पिता धर्म पिता कर्म पिता हि परमं तपः
पितरि प्रीतिमापन्ने प्रीयंते सर्व देवताः

पुत्र के प्रति पिता के स्नेह का उदाहरण राजा दशरथ भी हैं, जो राम के वन जाने के प्रसंग से उबर नहीं पाए और अपने प्राण त्याग दिए। 'महाभारत' में भी पिता के प्रति त्याग के अनुपम उदाहरण के रूप में भीष्म को देखा गया है। यक्ष के प्रश्नों के उत्तर में भी युधिष्ठिर ने माता को भूमि से बड़ा तथा पिता को आकाश से ऊंचा बताकर पिता की गरिमा को स्थापित किया। शास्त्रों में भी कहा गया है कि पिता का दायित्व है कि संतान को सम्यक शिक्षा दे-

माता शत्रुः पिता वैरी येन बालो न पाठितः।

यानी, जो मां पिता बच्चे को तालीम नहीं दिलाते वह बच्चे के शत्रु समान हैं।

बदलते दौर के साथ बदलती पिता की छवि-भूमिका

भारतीय परंपरा में पिता को देवतुल्य माना गया है। लेकिन समय में बदलाव के साथ पिता की छवि और भूमिका में लगातार बदलाव स्पष्ट तौर पर देखे जा सकते हैं। वक्त के साथ बदलती पिता की भूमिका और छवि पर एक नजर।

बदलाव / कल्पना मनोरमा

बीते दौर के पिता को याद करें तो एक ऐसा व्यक्ति याद आता है, जिसके गंभीर चेहरे पर ऊपर की ओर तनी भवें और आंखों के किनारों में आक्रोश का गुबार भरा हुआ दिखता था। हंसी-मजाक की बात पूछना-करना तो दूर, सीधी बात पूछने में भी बच्चों के आसन ढीले होते थे। फिर भी विगत सदी के परिवारों की रीढ़, पिता ही होते थे। मां सहित बच्चों को भरोसा होता था कि पिता घर लौट आए हैं, अब किसी भी तरह की कमी नहीं रहेगी। जो जिस हैसियत का हुआ, मौन होकर पिता परिवार पर सुख लुटाता था।

साठ और सत्तर के दशक के पिता लोहे की तरह सख्त और आत्मा से कोमल होते थे। वे अपने हाथों में रिश्तों की खुशबू और माथे पर जिम्मेदारी की लकीरें लिए मौन फर्ज निभाने में विश्वास करते थे। तब के पिता अपने दुःख बच्चों के आगे इसलिए नहीं कहते थे, क्योंकि उन्हें लगता था कि बाल-सपने कांच की तरह होते हैं, जरा से तनाव में टूट जाएंगे। इसलिए खुद के जीवन को किनारे कर बच्चों के सुख-साधन मुहैया कराने की कोशिश हमेशा बनी रहती थी। यानी, तब पिता का प्यार शब्दों में नहीं, उनके कार्यों में झलकता था। जबकि वे बस्ता टांग कर बच्चों को स्कूल के गेट तक नहीं पहुंचाते थे। न मेले में लेकर जाते थे। न सर्दियों में सुबह सबसे पहले उठ कर बच्चों के लिए पानी गरम करते थे। तब पिता माने अनुशासन! पिता भी अपना होना अनुशासन से ही जानते थे। पहले खुद अनुशासित रहते थे, फिर उसी पगडंडी पर संतान को चलते हुए देखने के अभिलाषी बन जाते थे। तब के पिता जानते थे, बच्चे प्यार से बिगड़ जाते हैं। इसलिए पिता बिन बोले प्रेम की छांव देने में भरोसा करते थे। मंगलेश डबराल अपनी एक कविता में कहते हैं, 'जब मैं छोटा था, मेरे पिता मुझे बड़े होते देख रहे थे। / अब जब वे छोटे हो रहे हैं, मैं उन्हें बड़ा होते देखता हूं।' यानी, बच्चे जब दुनिया की ओर कदम बढ़ा रहे होते थे, उनके पिता मौन होकर उन्हें देखते रहते थे। और जब पिता दुनिया से बाहर की ओर सरकना शुरू कर देते थे तो उनके बच्चे भी मौन होकर ही, उन्हें देखते रहते थे। सब कुछ अच्छा होने के बावजूद संवादहीनता के मारे पिता पीड़ा सहते रहते थे और संतान के रूप में अपनी ही प्रतिकृति अगली पीढ़ी को सौंप जाते थे।

धीरे-धीरे बदलने लगी छविः कुछ समय और सरका तो पिता की छवि और भी बदल गई। ये अस्सी-नब्बे का समय होगा, जब गांव, शहर की ओर दौड़ने लगे थे। उच्च वर्गीय पिताओं के तौर-तरीके सीखकर मध्यमवर्गीय पिता भी अपने परिवार को अलग सुगंधि से भरने लगे थे। अब पिता बदलते हुए अपने समाज में सहिष्णुता लिए मुखर चेहरा बन रहे थे। पिता के हाथ से संस्कार की डोर थोड़ी सी ढीली पड़ने लगी, लेकिन प्रेम से भरे पिता छलकने को आतुर दिख रहे थे। बच्चे पिता के साथ खेलने, हंसने, बोलने और सोने-जागने लगे। अपनी इच्छा प्रकट करने के लिए बच्चों को मां की आवाज की दरकार मिटने लगी। पिता बेटे-बेटियों के बाल भी संवारने लगे। होमवर्क और प्रोजेक्ट में हाथ बंटाने लगे। बेटे की मनोस्थिति समझने के लिए उसे टूर पर ले जाने लगे तो बेटी के लिए सेनेटरी नैपकिन भी लाकर देने लगे। माने अब पिता सिर्फ कमाने वाली मशीन नहीं, 'भावनात्मक उपस्थिति' भी बनने की चाह लिए आधुनिकता के साथ कदमताल करने की ओर मुखातिब हो गए। उनके संघर्ष अब सिर्फ बाहरी नहीं, खुद को बदलने के लिए भी चल रहे थे। अब पिता खुद से, समाज की अपेक्षाओं से और समय के साथ चलते बच्चों के मनोविज्ञान से रू-ब-रू होना चाहते थे। अब पिता खेलने में, सुनने में, गले लगाने में विश्वास करना चाहते थे लेकिन अदब की एक लकीर पिता-पुत्र के बीच खींची तब भी रहती थी।

नई सदी में नए पिताः सदी बदली तो पिता और भी बदल गए। आज के पिता बच्चों से प्रश्न करने से पहले स्वयं से प्रश्न करना चाहते हैं। किसी बिगड़े काम पर बच्चों को डांटने से पहले अपने पर डाउट करना सीख रहे हैं। बार-बार विगत में आवाजाही कर खुद से प्रश्न करते हैं कि 'क्या मैं अपने पिता और दादा जितना ठोस और ठस तो नहीं हूं?' 'क्या मैं अपने बच्चे के मन में जगह बना पाया हूं?' नई सदी के नए पिता, डिजिटल सफर पर भी निकल चुके हैं। बच्चों की 'हेल्दी डाइट' के बाबत यूट्यूब से खाना बनाना भी सीखकर बच्चों समेत उनकी मां को इंप्रेस करने के फिराक में भी रहते हैं। जीवन को सुगम बनाने के टिप्स जहां से मिलें, पिता सीखना चाहते हैं। लेकिन यह नया युग इतना भी सहज नहीं, जितना दिखता है। सूचना और ज्ञान की सहज उपलब्धता पिता-पुत्र को भावशून्य बना रही है। असंवेदनशीलता के इस दौर में चरणस्पर्श जैसी बात रही ही नहीं। अब तो 'हे डूड' 'हाय डैड' ने इनकी जगह ले ली है। आधुनिक पिता अनजाने में सही, अपने बच्चे को सोशल ब्रांड बना रहे हैं।

कहने का सार यही है कि समय कोई भी रहा हो, पिता का अपनी संतान से जुड़ाव में तो कोई अंतर नहीं आया है, लेकिन उसकी अभिव्यक्ति और भूमिका में अंतर आता गया, जिसे पिता सहर्ष स्वीकार भी रहे हैं। ❋

गजल

अशोक 'अंजुम'

बाबूजी !

बेटे पर विश्वास करो यों मत घबराओ बाबूजी!
जो मन आए करो इशारा, पीयो-खाओ बाबूजी!

खूब किया है जीवन-भर ही नहीं कभी आराम किया
अब सुकून से घर पर बैठो, हुकुम चलाओ बाबूजी!

कब तक बेटों की उतरन से हर त्योहार मनाओगे
कसम आपको अब की कपड़े नए सिलाओ बाबूजी!

जिम्मेदारियों ने जीवन-भर नहीं निकलने दिया कभी
अम्मा के संग तीरथ जाओ, गंग नहाओ बाबूजी!

बोनस आज मिला है मुझको अकस्मात ही दफ्तर से
कहां खर्च करना है इसको, जरा बताओ बाबूजी!

राग-रागिनी, आल्हा-ऊदल सबके सब बिसरा बैठे
अब फुर्सत है झूम-झूम कर ढोला गाओ बाबूजी!

कष्ट कोई हो उसे छिपाकर हरदम मुस्काते रहते,
कहां दर्द है, यूं न छिपाओ, हमें बताओ बाबूजी!

लघुकथाएं

पिता की चिंता

शुभम ने स्कॉलरशिप का फॉर्म भरा था। आज उसकी परीक्षा थी। स्कूली परीक्षा से इतर यह उसके जीवन की पहली परीक्षा थी। रजनी सुबह से ही पति सुमित को देख रही थी। बेटे से ज्यादा पिता चिंतित दिख रहे थे। सुबह बेटे को उन्होंने ही जगाया फिर जल्दी-जल्दी नहाकर तैयार हो गए। कुछ खाए बगैर ही उसे एग्जाम सेंटर तक छोड़ने चले गए।

शुभम ने कितना कहा, 'पापा आप क्यों परेशान हो रहे हैं? मैं रिक्शे से अकेला ही चला जाऊंगा। मैंने सेंटर गूगल पर सर्च कर लिया है।' लेकिन सुमित नहीं माने।

'तुम्हें छोड़कर मैं लौट आऊंगा बेटा।' कहकर सुमित साथ चल पड़े। स्कूल गेट के भीतर जाने से पहले तक उन्होंने बेटे को परीक्षा के दौरान एहतियात रखने वाली जरूरी हिदायतें दीं। जब शुभम स्कूल में प्रवेश कर गया तो सुमित घर लौट आए।

परीक्षा आठ बजे से ग्यारह बजे तक होनी थी। इतना समय वहां रुकना व्यर्थ था। घर से बस आधे घंटे का रास्ता था। दोबारा जाया जा सकता था।

लेकिन यह क्या! अभी दस भी न बजे थे कि सुमित फिर तैयार हो गए।

'कहां चल दिए?' रजनी ने पूछा।

'शुभम को लेने।' सुमित ने जवाब दिया।

रजनी बोली, 'उसे रिक्शे के पैसे दे तो दिए हैं, वो खुद आ जाएगा।'

'अभी तेरह साल का ही तो है। कहीं भटक गया तो?' सुमित ने चिंता जताई।

रजनी ने कहा, 'पर अभी तो बहुत समय है।'

'तो क्या हुआ। पेपर पहले खत्म करके शुभम बाहर आ गया तो..।' सुमित बोले।

'समय से पहले किसी को बाहर नहीं आने दिया जाएगा।' पत्नी ने समझाया, लेकिन सुमित नहीं माने। इधर-उधर की बातें समझाने लगे।

अभी तक रजनी ने सुमित को बेटे को डांटते-डपटते ही देखा था। उसे लगता था, सुमित को बेटे की कोई परवाह नहीं रहती। हर समय उसे डांट-फटकार लगाने का बहाना ढूंढते रहते हैं। सुमित के भीतर यह पिता आज पहली बार रजनी ने देखा।

खुशी-खुशी बोली, 'अच्छा जाओ, शुभम आपकी राह देख रहा होगा।'

पत्नी की सहमति पाते ही सुमित हर्षित मन से बेटे को लेने चल पड़े। ❋

-सरस्वती रमेश

भरोसे का पुल

'अब क्या होगा पापा?' तकनीक की धोखाधड़ी का शिकार हुई बेटी की आंखों में आंसुओं के साथ भय भी उतर आया।

'होना क्या है, कानूनी कार्रवाई का रास्ता चुनकर फेक वीडियो बनाने वाले को सजा दिलवानी है।' वे बिना किसी उलझन और संदेह के एक सांस में यह बात कह गए।

'यह मैं नहीं हूं पापा, यह वीडियो मेरा नहीं है। जाने कैसे मेरी तस्वीरें चुराकर यूं अभद्र शब्दों और अश्लील दृश्यों से जोड़ दिया है किसी ने?' हैरत और पीड़ा का यह मिला-जुला स्वर पिता का मन भेद गया।

'कॉलेज की दूसरी लड़कियों के साथ भी ऐसा हुआ है। आप चाहें तो उनसे पूछ लें।' स्पष्टीकरण देती बिटिया का हाथ पकड़कर पिता बोले, 'किसी से कुछ नहीं पूछना है मुझे।

पुरानी पीढ़ी का जरूर हूं पर यह अच्छे से समझता हूं कि आधुनिक तकनीक ने बहू-बेटियों का जीवन दुश्वार करने वाली आपराधिक मानसिकता और असुरक्षा के नए रास्ते खोल दिए हैं।'

फिर थोड़ा संयत होकर कहा, 'तुम अपनी पढ़ाई पर ध्यान दो, बस।

हमारे बीच भरोसे का एक मजबूत पुल है मेरी बेटी।' आश्वस्ति भरी यह बात सुनकर भी जीवन की जद्दोजहद समझने की कच्ची-पक्की उम्र के मोड़ पर खड़ी बिटिया ने चिंतित स्वर में पूछा, 'सब लोग क्या कहेंगे पापा?

आस-पड़ोसी और सगे-संबंधी कैसे-कैसे सवाल करेंगे अब?'

वे दुधमुंही बच्ची को छोड़कर दुनिया से विदा ले लेने वाली पत्नी की दीवार पर लगी तस्वीर की ओर देखते हुए बोले, 'कौन करेगा सवाल और क्यों करेगा? किस अधिकार से पूछेगा कोई प्रश्न?

तुम्हारे पालन-पोषण की मुश्किल यात्रा के बीते अठारह वर्ष में जो कुछ पूछने नहीं आए वे किस अधिकार से एक फेक वीडियो को लेकर वास्तविक जीवन से जुड़े प्रश्न पूछ सकेंगे?'

बेटी का हाथ थामकर समझाइश देते हुए पिता के रुंधे गले की आवाज बेहद स्पष्ट थी। ❋

-मोनिका शर्मा

आईसीआईसीआई बैंक और टाटा मेमोरियल सेंटर ने विशाखापट्टनम में

उन्नत कैंसर केयर ब्लॉक की आधारशिला रखी

● आईसीआईसीआई बैंक ने शहर में कैंसर देखभाल सुविधा का विस्तार करने के लिए टाटा मेमोरियल सेंटर को ?550 करोड़ से अधिक की राशि देने की प्रतिबद्धता जताई ● बैंक द्वारा टाटा मेमोरियल सेंटर को दिए गए 1,800 करोड़ के योगदान के तहत, यह ब्लॉक पूर्वी भारत में बाल और रक्त कैंसर के उपचार के लिए सबसे बड़ी सुविधाओं में से एक होगा

विशाखापट्टनम , एजेंसी। आईसीआईसीआई बैंक ने टाटा मेमोरियल सेंटर के साथ साझेदारी में आज विशाखापट्टनम, आंध्र प्रदेश स्थित होमी भाभा कैंसर अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र में एक नए भवन के निर्माण की शुरुआत की घोषणा की। बैंक ने लगभग 3.9 लाख वर्गफुट क्षेत्र में अत्याधुनिक चिकित्सा तकनीक से युक्त भवन के निर्माण के लिए ?550 करोड़ से अधिक की राशि समर्पित की है।

निर्माणाधीन आठ मंज़िला भवन – आईसीआईसीआई फाउंडेशन ब्लॉक फॉर चाइल्ड एंड ब्लड कैंसर – प्रति वर्ष लगभग 3,000 मरीजों का उपचार करेगा। वर्तमान में एचबीसीएचआरसी, विशाखापट्टनम की क्षमता 6,200 मरीजों की है।

यह नया भवन पूर्वी भारत के सबसे बड़े विशेषीकृत कैंसर उपचार केंद्रों में से एक होगा, जिसमें 215 से अधिक बेड होंगे। इसके 2027 तक पूर्ण होने की संभावना है, जो अनुमोदनों के अधीन है। इस परियोजना का संचालन आईसीआईसीआई

बैंक की सीएसआर शाखा, आईसीआईसीआई फाउंडेशन फॉर इनक्लूसिव ग्रोथ द्वारा किया जाएगा।

इस भवन की आधारशिला आईसीआईसीआई बैंक के चेयरमैन श्री प्रदीप कुमार सिन्हा ने रखी। इस अवसर पर श्री संदीप बत्रा, कार्यकारी निदेशक, आईसीआईसीआई बैंक; और डॉ. सुदीप गुप्ता, निदेशक, टाटा मेमोरियल सेंटर, मुंबई भी उपस्थित थे।

श्री सिन्हा ने अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में एन.के. राव ऑडिटोरियम का भी उद्घाटन किया। आईसीआईसीआई फाउंडेशन ने नए ऑडिटोरियम के लिए बुनियादी ढांचे और उपकरणों के साथ टीएमसी को सपोर्ट दिया है।

आईसीआईसीआई बैंक के चेयरमैन श्री प्रदीप कुमार सिन्हा ने कहा, हमें कैंसर देखभाल के लिए टीएमसी के साथ साझेदारी करने पर गर्व है, जो देश में महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवा बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की हमारी फिलोस्फी के अनुरूप है। यह परियोजना जरूरतमंद व्यक्तियों के लिए सुलभ और उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा देखभाल को सक्षम करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। यह प्रोजेक्ट बाल और रक्त कैंसर के लिए पूर्वी गलियारे में सबसे बड़े प्रोजेक्ट में से एक है। इसके जरिये आंध्र प्रदेश और आसपास के पूर्वी राज्यों के रोगियों की सेवा की जाएगी, जिससे कैंसर के इलाज की बढ़ती ज़रूरत को पूरा करने में मदद मिलेगी। इस अवसर पर, आईसीआईसीआई बैंक के कार्यकारी निदेशक श्री संदीप बत्रा ने कहा, आईसीआईसीआई बैंक में, स्वास्थ्य सेवा हमारे सीएसआर प्रयासों का एक प्रमुख हिस्सा है। दो वर्ष पूर्व हमने टाटा मेमोरियल सेंटर के साथ साझेदारी कर 1,200 करोड़ की प्रतिबद्धता के साथ विशाखापट्टनम, नवी मुंबई और न्यू चंडीगढ़ में तीन नए कैंसर ब्लॉक्स के निर्माण की घोषणा की थी। टीएमसी की नवीनतम आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए अब हमने इस प्रतिबद्धता को ?1,800 करोड़ तक बढ़ा दिया है।

तनाएरा पहली बार साड़ियों पर लेकर आई 40 फीसदी छूट

भोपाल। टाटा की प्रोडक्ट तनाएरा ने वित्तीय वर्ष 25 में 930 फीसदी बढ़ोतरी दर्ज की और वित्तीय वर्ष 26 में भी शानदार शुरूआत की है। अपने उपभोक्ताओं को शादी-ब्याह की खरीददारी का बेजोड़ अनुभव प्रदान करते हुए तनाएरा विकास के इन रूझानों को लगातार जारी रखे हुए है। इसी क्रम में ब्राण्ड देश भर में अपनी पहली सेल लेकर आई है, जिसके तहत शुद्ध एवं प्राकृतिक फैब्रिक से बने परिधानों की सभी कैटेगरीज़- साड़ियों, रैडी-टू-वियर एन्सेम्बल्स, अनस्टिच्ड कुर्ता सेट और फेस्टिव लहंगा पर 40 फीसदी तक की छूट की घोषणा की गई है। देश के 41 शहरों में 80 स्टोर्स के नेटवर्क के साथ तनाएरा ने उपभोक्ताओं के पसंदीदा एथनिक वियर डेस्टिनेशन के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत बना लिया है। त्योहारों की शुरूआत के साथ इस सेल की घोषणा से उपभोक्ताओं को शुद्ध एवं प्रमाणित फैब्रिक से बने प्रोडक्ट्स खरीदने का मौका मिलेगा, ऐसे में वे तनाएरा के विशेष डिज़ाइनों के साथ-साथ बेजोड़ कीमतों पर खरीददारी का भी अनुभव पा सकेंगे।इस अवसर पर श्री सोमप्रभ कुमार सिंह, चीफ़ सेल्स एण्ड मार्केटिंग ऑफिसर ने कहा, ''हम पहली बार इतनी व्यापक रेंज पर छूट के ऑफर लेकर आए हैं, जहां हमारे प्रोडक्ट्स 40 फीसदी तक के डिस्काउन्ट पर उपलब्ध हैं। इस ऑफर के साथ-साथ हमारे उपभोक्ताओं को शुद्ध एवं समृद्ध प्रोडक्ट्स तो मिलते ही हैं, जिनके लिए तनाएरा को जाना जाता है। प्रमाणित स्रोतों से खरीदे गए हस्तनिर्मित उत्पादों की व्यापक रेंज तथा हर पीस में शुद्धता एवं गुणवत्ता के वादे के साथ हम अपने समझदार उपभोक्ताओं को सही मायनों में खास अनुभव प्रदान करना चाहते हैं।'

अल्पेनलिबे ने भारत का पहला लिक्विड चोको से भरा पॉप लॉन्च किया!

मुंबई, एजेंसी। अल्पेनलिबे एकलेयर्स लंबे समय से घर-घर में पसंदीदा रहा है, जो अपने सिग्नेचर रिच, लिक्विड चोको जैसेसेंटर के लिए जाना जाता है - आनंद की वह पहचान जिसे उपभोक्ता पसंद करते हैं और इसकी उम्मीद करते हैं। इसी प्रतिष्ठित अनुभव को आगे बढ़ाते हुए, अल्पेनलिबे अब अल्पेनलिबे एकलेयर्स पॉप लॉन्च कर रहे हैं, जिसमें उसी चोको जैसे आनंद को बिल्कुल नए रूप मे पेश किया गया

है।यह चोको जैसेलिक्विड से भरा भारत का पहला लॉलीपॉप है। सिर्फ़ ?5 में, एकलेयर्स पॉप प्रीमियम स्वाद का अनुभव कराता है - जिसका बाहरी हिस्सा परिचित चबाने वाले कैरेमल है, तो वहीं इसके मध्य मे समृद्ध चोको जैसे स्वाद है। यह एक बहुत पसंद किए जाने वाले फॉर्मेट को सुविधाजनक, चलते-फिरते प्रारूप में लाता है। इसे किशोरों और युवा वयस्कों के लिए कभी भी, कहीं भी अपनी लालसा को संतुष्ट करने के लिए तैयार किया गया है। चाहे आप इसे धीरे-धीरे चखें या एक बार में ही चबा जाएं, एकलेयर्स पॉप रोजाना की स्नैकिंग को शुद्ध चोको जैसे आनंद में बदल देता है। परफ़ेक्टी वैन मेले इंडिया की मार्केटिंग डायरेक्टर गुंजन खेतान ने कहा, अल्पेनलिबे एकलेयर्स पॉप के साथ, हमारा उद्देश्य एक बहुत पसंद किए जाने वाले अनुभव को एक नए, सुविधाजनक प्रारूप में विस्तार देना था। हम जानते हैं कि एकलेयर्स के चोको जैसे सेंटर को कितना पसंद किया जाता है - और यह उत्पाद हर तरह से उस आनंद को आगे बढ़ाता है। किशोर और युवा वयस्क रोजमर्रा के प्रारूपों में भी अधिक समृद्ध, अधिक इमर्सिव ट्रीट की तलाश कर रहे हैं - और एकलेयर्स पॉप बस यही है। कोई ट्विस्ट नहीं, बल्कि जो वे पहले से ही पसंद किया जाता है, उसी का यह स्वाभाविक विकास है।

यूएस क्रैनबेरीज़ के साथ बच्चों को गर्मियों में रखें हाइड्रेटेड और हेल्दी

मुंबई, एजेंसी। जैसे-जैसे गर्मी का पारा चढ़ता जा रहा है, बच्चों को हाइड्रेटेड और स्वस्थ रखना हर माता-पिता की प्राथमिकता बन गया है। इस मौसम में पानी की कमी यानी डिहाइड्रेशन एक आम समस्या है, जो अक्सर बच्चों में अपच, दस्त, पेट फूलना और पेट दर्द जैसी पाचन से जुड़ी तकलीफों का कारण बनती है। प्रसिद्ध बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. इमरान पटेल बताते हैं कि अत्यधिक खेलकूद, पसीना, कम पानी पीना और फाइबर व पोषण से रहित डाइट बच्चों की आंतों के स्वास्थ्य को प्रभावित करती

है। इन सभी कारणों से आंतों में मौजूद अच्छे बैक्टीरिया—जिसे गट फ्लोरा कहा जाता है—का संतुलन बिगड़ जाता है, जिससे गर्मियों में बच्चों को पाचन संबंधी समस्याएं होने लगती हैं, वे समझाते हैं।

इस मौसमी चुनौती से निपटने के लिए डॉ. पटेल बच्चों की डेली डाइट में स-क्रैनबेरीज शामिल करने की सलाह देते हैं। स-क्रैनबेरीज में प्राकृतिक रूप से एंटीऑक्सिडेंट्स और डाइटरी फाइबर प्रचुर मात्रा में होते हैं, जो पाचन में मदद करते हैं और गट फ्लोरा को फिर से संतुलित करने में सहायता करते हैं। सबसे अच्छी बात यह है कि इनका खट्टा-मीठा स्वाद बच्चों को बेहद पसंद आता है, वे बताते हैं।

रॉयल कॉलेज ऑफ आर्ट की स्नातक सोनाक्षी ने पेश किया 'ज्ञात' - महिलाओं की अनकही कहानियों को धातु और यादों से उकेरने वाली मूर्तिकला प्रदर्शनी

नई दिल्ली। ब्रिटिश काउंसिल, कस्तूरबा गांधी मार्ग की गैलरी में जात प्रदर्शनी पेश की जाएगी, जो सोनाक्षी की एक गहरी और प्रभावशाली मूर्तिकला कृति है। यह प्रदर्शनी मां-बेटी की पीढ़ियों की यादों को पारिवारिक चीजों, धातु और उनके अर्थों के जरिए सामने लाती है। यह प्रदर्शनी 11 जून से 31 जुलाई 2025 तक स्टडी यूके-क्रिएटिव कनेक्शन्स सेकंड के हिस्से के रूप में चलेगी। आगरा में जन्मी और अब लंदन में रहने वाली सोनाक्षी चतुर्वेदी अपनी पेंटिंग, इनैमलिंग और रत्नों की जानकारी को मिलाकर यह सवाल उठाती हैं कि महिलाओं की कहानियां कैसे याद रखी जाती हैं—या जानबूझकर भुला दी जाती हैं। यह प्रदर्शनी दुल्हन, मां और दादी जैसे पारंपरिक रोल्स पर सवाल उठाती है और भारतीय उपमहाद्वीप की हस्तकला परंपराओं में छिपी अनकही इच्छाओं को उजागर करती है। 2024 में मशहूर रॉयल कॉलेज ऑफ आर्ट से ज्वैलरी और मेटल में एमए पूरा करने वाली सोनाक्षी नई पीढ़ी की कलाकार हैं, जो पुरानी हस्तकला को आधुनिक कला के साथ जोड़ रही हैं। रत्न विशेषज्ञ होने के साथ-साथ इंदिरा गांधी नेशनल सेंटर फॉर द आर्ट्स (संस्कृति मंत्रालय) में शोधकर्ता के रूप में उनका अनुभव उन्हें दक्षिण एशियाई समाजों में गहनों और विरासत के सांस्कृतिक मायने समझने की गहरी समझ देता है।

भारत-ईयू व्यापार समझौते में प्रगति

विदेश नीति पर जयशंकर ने कही यह बात

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत यूरोपीय संघ के साथ अपने संबंधों को उच्च प्राथमिकता देता है। यह बात विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को यह टिप्पणी की। जर्मन मार्शल फंड (जीएमएफ) फोरम में फाइनेंशियल टाइम्स के ब्रसेल्स ब्यूरो प्रमुख हेनरी फॉय से बातचीत के दौरान जयशंकर ने कहा कि दोनों पक्षों के बीच मुक्त व्यापार समझौता अच्छी प्रगति पर है। उन्होंने विश्वास जताया कि इस साल के अंत तक यह समझौता पूरा हो जाएगा। विदेश मंत्री ने द्विपक्षीय संबंधों की मजबूती पर जोर डाला। यह केवल व्यापार तक सीमित नहीं है बल्कि रक्षा , गतिशिलता, प्रतिभा प्रभाव और शिक्षा जैसे पहलुओं के लिए लाभदायक है।

यूरोपीय आयोग सदस्यों का भारत दौरा सकारात्मक कदम- उन्होंने बताया कि जब यूरोपीय आयोग के सदस्य हाल ही में सामूहिक रूप से भारत आए थे, तो यह एक असाधारण और सकारात्मक कदम था। यह हमारे बीच रिश्तों को गहरा करने की मांशा का संकेत है। मुक्त व्यापार समझौता इस संबंध में केंद्र बिंदु है।

भारत हर परिस्थितियों से निपटने लिए है तैयार- इस उच्चस्तरीय वार्तालाप सत्र में भारत की विदेश नीति से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। इसमें अमेरिका के साथ उसके संबंध पर बात हुई। जयशंकर ने कहा कि भारत के पास परिस्थितियों और चुनौतियों से निपटने की क्षमता है। भारत खुद के बारे में सोच सकता है। हम दुनिया से क्या लाभ उठा सकते हैं, इसके आधार पर निर्णय लेने के लिए तैयार हैं।यूरोप के इतिहास और अनुभवों के साथ इसकी तुलना करते हुए, मंत्री ने कहा कि भारत बदलती भू-राजनीतिक वास्तविकताओं और दृष्टिकोण में उभरने वाले किसी भी ट्रांस-अटलांटिक मतभेद से निपटने का आदी है। विदेश मंत्री ने कहा कि भारत अमेरिका के साथ अपने संबंधों को उतना ही महत्व देता है, जितना यूरोपीय संघ के साथ देता है। भारत प्रत्येक के साथ उन शर्तों पर व्यवहार करेगा जो दोनों के लिए लाभदायी हो।

टर्म इंश्योरेंस: समय सीमा से अधिक मायने रखती है सही टाइमिंग

मुंबई । टर्म इंश्योरेंस को आज भी वित्तीय सुरक्षा की सबसे सरल और असरदार नींव माना जाता है। इसमें न बोनस होता है, न निवेश पर रिटर्न-बस एक सीधा और स्पष्ट वादा होता है- अगर पॉलिसी अवधि के दौरान बीमाधारक की मृत्यु होती है, तो उसके परिवार को एकमुश्त राशि मिलेगी। लेकिन अब सवाल सिर्फ यह नहीं रह गया है कि टर्म इंश्योरेंस होना चाहिए या नहीं, बल्कि यह भी महत्वपूर्ण हो गया है कि इसे कब तक रखा जाए।

इस संदर्भ में टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस के चीफ डिस्ट्रीब्यूशन ऑफिसर - अल्टरनेट और इमर्जिंग चैनल्स, जिलानी बाशा ने कहा, आज के उपभोक्ता टर्म इंश्योरेंस को लेकर अधिक जागरूक और विचारशील हैं। वे अब सामान्य दृष्टिकोण से हटकर, अपनी व्यक्तिगत ज़रूरतों और जिम्मेदारियों के अनुरूप फैसले ले रहे हैं। वे पूछ रहे हैं कि कवरेज की सही अवधि क्या है, क्यों जरूरी है और किस समय सबसे ज्यादा प्रासंगिक है। यह सोच एक सकारात्मक बदलाव का संकेत है, जहां बीमा अब सिर्फ एक उत्पाद नहीं, बल्कि जीवनशैली का हिस्सा बनता जा रहा है।

उन्होंने आगे जोड़ा, लोग अब ऐसे समाधानों की तलाश कर रहे हैं जो न केवल वर्तमान में प्रासंगिक हों, बल्कि भविष्य के जोखिमों से भी सुरक्षा दें। बीमाकर्ता के रूप में हमारी भूमिका अब केवल उत्पाद बेचने तक सीमित नहीं रही, बल्कि सही जानकारी और मार्गदर्शन देना भी उतना ही जरूरी है।

टर्म इंश्योरेंस का मूल्य इसकी लाइफटाइम कवरेज में नहीं, बल्कि उस समयबद्ध सुरक्षा में है जब परिवार को आपकी आमदनी पर सबसे ज़्यादा निर्भरता होती है। सोच-समझकर किया गया चुनाव ही इसे एक स्मार्ट वित्तीय योजना बनाता है।

किन कंपनियों का बीमा?

टाटा एआईजी इस बीमा पॉलिसी की मुख्य कंपनी थी। न्यू इंडिया एश्योरेंस जैसी अन्य कंपनियों ने भी इसमें हिस्सा लिया था। इस विमान का बीमा लंदन के बाजार में करवाया गया था। इसे ग्लोबल रीइंश्योरेंस प्रोग्राम कहते हैं। इसमें ज्यादातर जोखिम विदेशी बीमा कंपनियों को दिया जाता है। भारत की बीमा कंपनियों जैसे टाटा एआईजी, न्यू इंडिया एश्योरेंस, नेशनल इंश्योरेंस, यूनाइटेड इंडिया, ओरिएंटल और आईसीआईसीआई लोम्बार्ड जनरल ने 10 प्रतिशत से भी कम जोखिम रखा है। सरकारी रीइंश्योरेंस कंपनी जीआईसी रे के पास रीइंश्योरेंस पर 5 प्रतिशत हिस्सा है।

एयर इंडिया हादसे के बाद

बीमा कंपनियों को चुकानी होगी मोटी रकम, बन सकता है नया रेकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। अहमदाबाद में एयर इंडिया के विमान हादसे से बीमा कंपनियों पर बड़ा असर पड़ेगा। यह भारत में अब तक का सबसे महंगा एविएशन इंश्योरेंस क्लेम हो सकता है। जानकारों का कहना है कि बीमा कंपनियों को 120 मिलियन डॉलर (करीब 1000 करोड़ रुपये) से ज्यादा का भुगतान करना पड़ सकता है। इकोनॉमिक टाइम्स के अनुसार इस भुगतान में विमान की कीमत का नुकसान लगभग 80 मिलियन डॉलर हो सकता है। विमान की कीमत को हल लॉस कहा जाता है। यात्रियों को मुआवजा देने में 30 से 50 मिलियन डॉलर और लग सकते हैं। कुछ लोगों का मानना है कि यात्रियों से जुड़े दावे 100 मिलियन डॉलर से भी ज्यादा हो सकते हैं। क्योंकि विमान में कई अमीर लोग सवार थे। इसलिए मुआवजे की राशि बढ़ सकती है।

अब तक का सबसे बड़ा क्लेम- एलायंस इंश्योरेंस ब्रोकर्स के एविएशन बिजनेस हेड सौरव बिस्वास ने कहा कि यह किसी भारतीय एयरलाइन से जुड़ा अब तक का सबसे बड़ा दावा होगा।

पहले भारत में विमान हादसे कम ही हुए हैं। साल 2010 में दुबई से आ रहा एक बोइंग 737 विमान मंगलौर में उतरते समय दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इसमें 158 लोगों की जान चली गई थी। वहीं साल 2020 में कोझीकोड में हुए एक और हादसे में 21 लोगों की मौत हो गई थी। बीमा उद्योग के जानकारों के अनुसार, इन दोनों घटनाओं में बीमा कंपनियों ने लगभग 60-70 मिलियन डॉलर का भुगतान किया था।

प्रति यात्री कितना मुआवजा?

टाटा एआईजी के एक प्रवक्ता ने कहा कि एयर इंडिया के मुख्य बीमाकर्ता होने के नाते, कंपनी स्थिति पर नजर रख रही है। एक बीमा अधिकारी ने बताया कि एयर इंडिया की देनदारी की सीमा 1.5 बिलियन डॉलर तक है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रत्येक यात्री के लिए शारीरिक चोट या मृत्यु होने पर लगभग 250,000 डॉलर का मुआवजा दिया जा सकता है।

क्या कहा जानकारों ने?

जीआईसी रे के सीएमडी रामस्वामी नारायणन ने कहा कि इस घटना से विमान के पूरी तरह से नष्ट होने और लोगों की मृत्यु होने के कारण कई दावे किए जाएंगे। ऐसे नुकसान का असर कई रीइंश्योरेंस कंपनियों पर पड़ता है। क्योंकि विमान बेड़े की नीतियों को अक्सर कई कंपनियों के साथ बांटा जाता है। हालांकि नुकसान की वजह से बीमा की कीमतों पर क्या असर होगा, यह अभी कहना मुश्किल है।

अविका गौर और उनके मंगेतर मिलिंद ने कलर्स के नए रियलिटी शो के लिए कहा 'हां!'

मुंबई, एजेंसी। क्या आपको बालिका वधू की छोटी आनंदी याद है - वह बाल वधू जिसने उस समय हमारा दिल चुरा लिया था? अब वही अविका गौर पूरी तरह से बड़ी हो चुकी हैं और प्यार में सिर से पांव तक डूबी हुई हैं! टेलीविजन की यह चहेती कलाकार अब उस चैनल पर वापसी कर रही हैं जिसने उन्हें घर-घर का नाम बना दिया था—कलर्स। लेकिन इस बार, वह अकेली नहीं आ रही हैं। इस खास मौके पर उनके साथ हैं उनके मंगेतर और सामाजिक कार्यकर्ता मिलिंद चंदवानी।

यह प्यारा जोड़ा कलर्स के बिल्कुल नए रियलिटी शो 'पति पत्नी और पंगा' में नजर आने वाला है—एक ऐसा शो जो प्यार, हंसी और रिश्तों की जादुई उलझनों का खूबसूरत उत्सव है। अभी हाल ही में जब अविका ने अपने लंबे समय से साथी मिलिंद के साथ रोका सेरेमनी की ड्रीमी तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा कीं, तो इंटरनेट पर जैसे भावनाओं की बाढ़ आ गई। फैन्स ने ऑ कहकर अपना प्यार जताया और अब समझ में आता है क्यों—वह तो बस एक झलक थी, असली कहानी अब सामने आ रही है। 'पति पत्नी और पंगा' उन छोटे-छोटे लम्हों को उजागर करेगा जो किसी भी रिश्ते को मजबूत बनाते हैं—एक साथ की गई कोशिशें, साझा की गई मुस्कानें, रोजाना की छोटी-छोटी जीतें।

एक्सिस मैक्स लाइफ इंश्योरेंस ने कांतार के साथ मिलकर किए अध्ययन के सातवें संस्करण से मिले आंकड़े जारी किए

मुंबई, एजेंसी। एक्सिस मैक्स लाइफ इंश्योरेंस लिमिटेड ने मार्केटिंग डाटा एवं एनालिटिक्स के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अग्रणी कंपनी कांतार के साथ मिलकर किए गए अपने महत्वाकांक्षी इंडिया प्रोटेक्शन कोशेंट (आईपीक्यू) अध्ययन के सातवें संस्करण से मिले आंकड़े जारी करने की घोषणा की है। 25 भारतीय शहरों में करीब 6,360 परिवारों से मिलकर किए गए आईपीक्यू 7.0 से वंचित समुदायों, विशेष रूप से एलजीबीटीक्यूआईए+ समुदाय और कामकाजी महिलाओं के बीच भविष्य की वित्तीय तैयारियों को लेकर बड़ी कमी सामने आई है।

एक्सिस मैक्स लाइफ के सीईओ एवं मैनेजिंग डायरेक्टर प्रशांत त्रिपाठी ने कहा, 'आईपीक्यू 7.0 से मिले नतीजों ने वंचित समुदायों के बीच वित्तीय सुरक्षा में असमानता की की तस्वीर सामने रखी है। एलजीबीटीक्यूआईए+समुदाय का प्रोटेक्शन कोशेंट मात्र 35 और महिलाओं का प्रोटेक्शन कोशेंट 48 पर है, जो दिखाता है कि सिर्फ चाहने से तैयारियां मजबूत नहीं हो जाती हैं। इस अंतर को भरने के लिए उद्योग को भरोसा कायम करने, टार्गेटेड तरीके से जागरूकता लाने और पहुंच बढ़ाने पर फोकस करना होगा। एक्सिस मैक्स लाइफ में हमारा मानना है कि सभी की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जरूरी हो गया है कि एक ऐसा समावेशी फाइनेंशियल इकोसिस्टम बनाया जाए, जो सहानुभूति पर आधारित हो और वास्तविक दुनिया की चुनौतियों के अनुरूप हो।'

एलजीबीटीक्यूआईए+ समुदाय: इच्छा के बावजूद फाइनेंशियल प्रोटेक्शन में कमी- एलजीबीटीक्यूआईए+ समुदाय का प्रोटेक्शन कोशेंट स्कोर 35 (0 से 100 के पैमाने पर) रहा है। यह डिजिटल रूप से सतर्क शहरी भारतीयों के 56 के औसत से बहुत कम है, जो इस वर्ग की वित्तीय अनिश्चितता की तस्वीर दिखाता है। एलजीबीटीक्यूआईए+समुदाय का नॉलेज इंडेक्स स्कोर भी 61 है, जो डिजिटल-सैवी अर्बन इंडियंस (डीएसयूआई) के 74 की तुलना में काफी कम है, जो इस समुदाय में जीवन बीमा को लेकर जागरूकता की कमी को दिखाता है।

हंगामा ओटीटी लेकर आया है डबल रोल वाली नई सस्पेंस थ्रिलर सीरीज 'जुड़वा जाल'

मुंबई, एजेंसी। देश के सबसे प्रमुख एंटरटेनमेंटप्लेटफ़ॉर्म में शामिल हंगामा ओटीटी ने आज अपनी नई ओरिजनल सीरीज 'जुड़वा जाल' के रिलीज की घोषणा की। यह जबरदस्त सस्पेंस से भरी क्राइम थ्रिलर सीरीज है जिसमें रोचकता, ड्रामा और कदम कदम पर नए मोड़ लेने वाली कहानी है। सीरीज छह एपिसोड की है और हर एपिसोड आपकी उत्सुकता को बढ़ाएगा और आपको अंदर सीरीज को आखिर तक देखने की दिलचस्पी पैदा करेगा। इस सीरीज में दर्शकों को हत्या, चीजों को अलग तरह से दिखाने की कोशिश, धोखे और सच तक पहुंचने की कशमकश देखने को मिलेगी। 'जुड़वा जाल' को बेहद प्रतिभाशाली कलाकारों ने अपने अभिनय से तैयार किया है। इसमें मोनालिसाडबल रोल में नजर आएंगी और उनके साथ अंकित भाटिया, पलक सिंह, कार्तिक जैन अहम भूमिकाओं में होंगे। इस सस्पेंस थ्रिलर की कहानी अनामिका की रहस्यमयी स्थितियों में हुई मौत के इर्द-गिर्द बुनी गई है। अनामिका एक ऐसी लड़की है जिसकी जिंदगी और मौत दोनों एक पहेली की तरह दर्शकों के सामने आती है। क्या उसकी मौत एक्सीडेंट में हुई है या फिर किसी ने उसकी हत्या की है? इंस्पेक्टर कुणाल इस केस को सुलझाने के लिए जब गहराई में जाकर पड़ताल करते हैं, तो शक की तमाम सुई एक ही व्यक्ति की ओर इशारा करती हैं और वो है अनामिका की उससे अलग रहने वाली जुड़वा बहन शुचि।

त्रिविक्रम की पौराणिक फिल्म से बाहर हुए अल्लू अर्जुन, जूनियर एनटीआर की हुई एंट्री

अला वैकुंठपुरमुलु और गुंटूर करम जैसी कई बेहतरीन फिल्मों का निर्देशन कर चुके त्रिविक्रम श्रीनिवास की अगली फिल्म का फैंस को बेसब्री से इंतजार है। उनकी अगली फिल्म में का हीरो कौन होगा। यह सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है।

कौन होगा त्रिविक्रम की अगली फिल्म का हीरो

त्रिविक्रम श्रीनिवास की फिल्म गुंटूर करम को रिलीज हुए एक साल से ज्यादा हो चुका है और इस फिल्म के बाद उनकी कोई नई फिल्म की घोषणा नहीं हुई है। उनके पास वेंकटेश और अल्लू अर्जुन जैसे सितारों के साथ फिल्में हैं, लेकिन अब सोशल मीडिया पर एक नई खबर ने हलचल मचा दी है। 123 तेलुगु डॉट कॉम की एक खबर के मुताबिक, त्रिविक्रम एक महत्वाकांक्षी पौराणिक फिल्म पर काम कर रहे हैं, जिसमें जूनियर एनटीआर अहम भूमिका निभाते नजर आएंगे। वैसे पहले यह किरदार अल्लू अर्जुन को ध्यान में रखकर तैयार किया गया था। इस खबर ने प्रशंसकों को चौंका दिया है। हालांकि, इस बदलाव का कारण अभी स्पष्ट नहीं हुआ है, लेकिन यह खबर दोनों सितारों के प्रशंसकों में उत्साह और बहस का विषय बन चुका है।

जूनियर एनटीआर का वर्कफ्रंट

जूनियर एनटीआर पहले से ही वॉर 2, ड्रैगन और देवरा- भाग 2 जैसी बड़ी फिल्मों में व्यस्त हैं। अगर त्रिविक्रम के साथ जूनियर एनटीआर का यह प्रोजेक्ट पक्का होता है, तो यह उनकी फिल्मों की सूची में एक और बड़ा नाम जुड़ जाएगा। बहरहाल, जूनियर एनटीआर और अल्लू अर्जुन के फैंस इस फिल्म की आधिकारिक घोषणा का इंतजार कर रहे है।

फिल्म मेकिंग बदल गई, अब हमें अपनी सोच बदलने की जरूरत

अभिनेत्री जेनेलिया डिसूजा इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'सितारे जमीन पर' को लेकर चर्चाओं में बनी हुई हैं। इस फिल्म में जेनेलिया आमिर खान के साथ उनकी पत्नी की भूमिका में नजर आएंगी। इस फिल्म के जरिए जेनेलिया एक लंबे वक्त बाद बॉलीवुड की किसी बड़ी फिल्म में नजर आएंगी। हाल ही में जेनेलिया ने अपनी भूमिका के बारे में बताया कि इस किरदार के लिए उन्हें कई बार ऑडिशन देना पड़ा, जिससे उन्हें कोई दिक्कत नहीं है। इसी दौरान जेनेलिया ने ये जरूर बताया कि आखिर क्यों उन्हें अब इस तरह के किरदार ऑफर नहीं हो रहे हैं।

यह आमिर सर की महानता है, उन्होंने मुझमें कुछ देखा

'सितारे जमीन पर' में अपने किरदार सुनीता के बारे में बात करते हुए जेनेलिया ने कहा कि वो इस तरह के किरदार और भी करना चाहती हैं। फिल्मीमंत्रा मीडिया के साथ अपनी हालिया बातचीत में अभिनेत्री ने कहा, 'जब लोगों को पता चला कि मैं सितारे जमीन पर कर रही हूं, तो सभी ने कहा कि हे भगवान, कितनी किस्मतवाली हो तुम, आमिर खान की फिल्म कर रही हो। इस पर मैंने कहा, बेशक यह आमिर सर की महानता है कि उन्होंने मुझमें कुछ देखा। बेशक, उन्होंने मेरा ऑडिशन लिया। लेकिन आप भी ऐसा कर सकते हैं। आप मुझे कोई भूमिका भी दे सकते हैं।'

जेनेलिया ने आगे और निर्देशकों के उन्हें इस तरह के किरदार में न लेने के पीछे की वजह का जिक्र किया। अभिनेत्री ने 'सितारे जमीन पर' में उनके किरदार को लेकर प्रतिक्रिया देने वालों को संबोधित करते हुए कहा, 'आप भी मुझे ऐसे किरदारों में ले सकते हैं, लेकिन आप मानदंडों के अनुसार चलते हैं। शायद आपको लगता है कि मैं शादीशुदा हूं इसलिए मुझे इस किरदार की जरूरत नहीं है। मुझे लगता है कि फिल्म मेकिंग बदल गई है। इसलिए हमारी मानसिकता भी बदलनी चाहिए।'

सही किरदार चुनना महत्वपूर्ण

अभिनेत्री ने आगे कहा कि यह बहुत महत्वपूर्ण है कि अगर आप किसी खास उम्र का किरदार चाहते हैं, तो आपको उसी उम्र के किसी व्यक्ति को कास्ट करना चाहिए। जब हम किसी ऐसे अभिनेता को कास्ट करते हैं जो मेरे द्वारा निभाए गए किरदार से बहुत छोटा होता है, तो वे उस किरदार की छोटी-छोटी बातें नहीं समझ पाते। सही किरदार चुनना महत्वपूर्ण है। मुझे उम्मीद है कि सभी को अवसर मिलेंगे।

20 जून को रिलीज होगी सितारे जमीन पर

आरएस प्रसन्ना द्वारा निर्देशित स्पोर्ट्स कॉमेडी फिल्म सितारे ज़मीन पर 20 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म को लेकर आमिर लगातार जेनेलिया के साथ प्रमोशन में जुटे हैं। 'लाल सिंह चड्ढा' के बाद आमिर इस फिल्म के जरिए बड़े पर्दे पर वापसी कर रही हैं। फिल्म में जेनेलिया आमिर की पत्नी के किरदार में नजर आई हैं।

क्या इब्राहिम अली की इस बात से प्रेशर फील करती हैं पलक तिवारी?

टीवी एक्ट्रेस श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी भी फिल्मों में एक्टिंग कर रही हैं। वह अब तक दो फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। पलक ने करियर की शुरुआत सलमान खान की फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' से की थी। हाल ही में वह फिल्म 'द भूतनी' में नजर आई। मैशेबल इंडिया से की गई हालिया बातचीत में जब पलक तिवारी से पूछा गया कि क्या वह मौजूदा नए एक्टर्स जैसे इब्राहिम अली खान, सुहाना खान और अनन्या पांडे की एक्टिंग से किसी तरह का प्रेशर फील करती हैं? पलक का जवाब था, 'प्रेशर लेकर काम करोगे तो वह बिल्कुल भी अच्छा नहीं होगा। फिर प्रेशर लेने का क्या फायदा।' पलक का इतना जरूर कहना है कि उनके साथ के एक्टर्स काफी सपोर्टिंग हैं।

लाल परी टाइटल से खुश सौंदर्या शर्मा

मल्टीस्टारर कॉमेडी फिल्म हाउसफुल 5 में अपनी एक्टिंग से दर्शकों का दिल जीतने वाली एक्ट्रेस सौंदर्या शर्मा इन दिनों खूब सुर्खियां बटोर रही हैं। फिल्म के एक गाने में उनके प्रदर्शन को लेकर फैंस ने उन्हें लाल परी का खिताब दिया, जिसे लेकर वह काफी उत्साहित हैं। आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में सौंदर्या ने इस टाइटल को सम्मान करार दिया। साथ ही मलाइका अरोड़ा और कैटरीना कैफ से तुलना करने पर भी अपनी राय पेश की। आईएएनएस से खास बातचीत में सौंदर्या ने बताया कि लाल परी का खिताब उनके लिए क्या मायने रखता है। साथ ही, उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री के दिग्गज कलाकारों के साथ काम करने के अनुभव को भी साझा किया।

सौंदर्या ने कहा, जब कहीं से कोई अचानक कहता है, अरे देखो, लाल परी सौंदर्या, तो यह सुनकर अच्छा लगता है। इस टाइटल ने मुझे नई पहचान दी है। इससे ऐसा लगता है जैसे लोग मेरे काम को सच में पसंद कर रहे हैं। मैं खुद को बहुत भाग्यशाली मानती हूं। सवाल में जब उनके लाल परी टाइटल की तुलना मलाइका अरोड़ा की मुन्नी बदनाम और कैटरीना कैफ की शीला की जवानी से की गई, तो उन्होंने जवाब देते हुए कहा, आप जिन दो कलाकारों की बात कर रहे हैं, वे मेरी सीनियर्स हैं। उनसे मेरी तुलना होना बहुत बड़ी बात है। लेकिन मेरा सफर तो अभी शुरू ही हुआ है। मैं और ज्यादा अच्छा काम करना चाहती हूं, ताकि लोगों से मुझे ऐसे ही ढेर सारा प्यार मिलता रहे।

सौंदर्या शर्मा ने कहा, मेरी मां माधुरी मैम को बहुत पसंद करती हैं और मैं खुद भी उनकी बहुत बड़ी फैन हूं। मुझे श्रीदेवी मैम, वैजयंतीमाला और मधुबाला भी बहुत पसंद हैं। ये सभी मेरे लिए प्रेरणादायक हैं। वे सब स्क्रीन पर दमदार अभिनय करती थीं और हर किरदार को बहुत खूबसूरती से निभाती थीं। हाउसफुल 5 6 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है।

दिव्या दत्ता ने बताया क्यों रहना चाहती हैं कुंवारी

दिव्या दत्ता उन बॉलीवुड कलाकारों में से एक हैं जिन्होंने सुष्मिता सेन, तब्बू और सलमान खान जैसे सितारों की तरह बिना शादी के रहने का फैसला चुना। दिव्या ने हाल ही में अपने बातचीत में अपने इस फैसले को लेकर खुलकर बातें की हैं और बताया है कि आखिर ये ऑप्शन उन्होंने क्यों चुना।

दिव्या ने बातचीत में अपने विचारों को शेयर करते हुए कहा, अगर आपको एक अच्छा साथी मिल जाए तो शादी करना बहुत अच्छा है। अगर नहीं तो ज़िंदगी खूबसूरती से आगे बढ़ती है। एक बेकार सी शादी में बधे रहने से बेहतर है कि आप खुद ही खुद का ख्याल रखें। किसी रिश्ते में खुद को नीचा दिखाने की बजाय, खुद से प्यार करना बेहतर है। मेरी तरफ बहुत से मर्दों का अटेंशन खूब रहता है और मैं इसे इंजॉय करती हूं लेकिन रिश्ता तब बनना चाहिए जब आप कनेक्ट होते हैं। अगर आपको लगता है कि वह व्यक्ति आपका हाथ थाम सकता है। अगर ऐसा नहीं है तो मेरे आस-पास मेरे कई प्यारे दोस्त हैं और मैं अपने लिए वहां हूं।

मुझे लगता है कि मैं ओवर क्वॉलिफाइड हूं

उन्होंने आगे कहा कि वह शादी नहीं करना चाहती हैं। दिव्या ने कहा, मैं शादी नहीं करना चाहती लेकिन मुझे एक साथी चाहिए जिसके साथ मैं ट्रैवल कर सकूं और अगर नहीं तो भी मैं खुश हूं। आप जानते हैं, मेरे सबसे अच्छे दोस्त ने मुझे एक कोट भेजा - एक शख्स पूछता है- तुम सिंगल क्यों हो? तुम सुंदर, आकर्षक, देखभाल करने वाली हो तो मैंने कहा- मुझे लगता है कि मैं ओवर क्वॉलिफाइड हूं। एक समय आता है जब आप पूर्णता की तलाश बाहर करते हैं, जो जरूरी नहीं है। यह जरूरी नहीं है कि आप तभी पूर्ण होंगे जब एक अच्छा साथी आपके जीवन में आएगा। मुझे यह गलतफहमी थी। मैं अपने दिल की बात खुलकर कहती थी - लेकिन अब ऐसा नहीं है।

दिव्या की आनेवाली फिल्म

दिव्या आखिरी बार फिल्म छावा में दिखीं। लक्ष्मण उटेकर निर्देशित इस फिल्म में विक्की कौशल ने छत्रपति संभाजी महाराज की भूमिका निभाई थी, साथ ही अक्षय खन्ना ने सम्राट औरंगजेब और रश्मिका मंदाना ने येसुबाई भोंसले की भूमिका निभाई थी। वहीं अब दिव्या अगली बार अर्जुन रामपाल के साथ नास्तिक में नज़र आएंगी। शैलेश वर्मा द्वारा निर्देशित इस फ़िल्म में इहाना ढिल्लन और हर्षाली मल्होत्रा भी हैं। फ़िल्म की रिलीज़ की तारीख अभी सामने नहीं आई है।

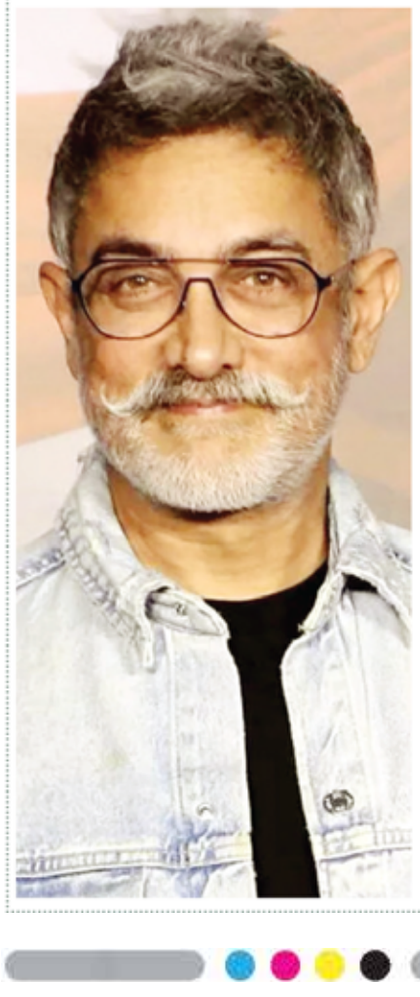

सितारे जमीन पर के बाद रजनीकांत की फिल्म में नजर आएंगे आमिर खान

आमिर खान इन दिनों फिल्म सितारे जमीन पर के प्रमोशन में बिजी हैं। फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। दर्शकों को आमिर खान की फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। फिल्म 20 जून को रिलीज होने वाली है। हाल ही में आमिर खान ने बताया है कि वह सितारे जमीन पर के बाद किस फिल्म में नजर आएंगे। आमिर खान ने बातचीत में बताया है कि वह रजनीकांत की फिल्म कुली में नजर आएंगे। आमिर खान ने बताया है कि वह इस फिल्म में कैमियो रोल करेंगे। आमिर खान के मुताबिक वह रजनीकांत के इतने बड़े फैन हैं कि उन्होंने स्क्रिप्ट भी नहीं पढ़ी और उस रोल के लिए हां बोल दिया।

साउथ के सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म कुली को लेकर फैंस काफी उत्साहित हैं। यह फिल्म एक्शन थ्रिलर फिल्म है। फिल्म का निर्देशन लोकेश कनगराज कर रहे हैं। आईएमडी के मुताबिक यह फिल्म 14 अगस्त 2025 को रिलीज होने वाली है। पहले खबरें थीं कि इस फिल्म में आमिर खान नजर आ सकते हैं लेकिन अब आमिर खान ने खुद इस बात से पर्दा हटा दिया है।

सितारे जमीन पर के बारे में

सिनेमाघरों में आने को तैयार फिल्म सितारे जमीन पर में आमिर खान ने एक बॉस्केटबॉल कोच की भूमिका निभाई है। इस फिल्म में वह 10 दिव्यांग बच्चों को बॉस्केटबॉल सिखाएंगे। फिल्म में जेनेलिया देशमुख भी होंगी। यह फिल्म स्पैनिश फिल्म चैंपियंस की रीमेक है। इस फिल्म से अरुष दत्ता, गोपी कृष्ण वर्मा, संवित देसाई, वेदांत शर्मा, आयुष भंसाली, आशीष पेंडसे, ऋषि शाहनी, ऋषभ जैन, नमन मिश्रा और सिमरन मंगेशकर हिंदी सिनेमा में डेब्यू कर रहे हैं। फिल्म 20 जून को रिलीज होने वाली है। बताया जाता है कि आमिर खान इस फिल्म की रिलीज के बाद दादा साहब फाल्के की बायोपिक पर काम करेंगे।

नागा वामसी ने अफवाहों पर लगाया विराम, त्रिविक्रम की अगली दो फिल्मों की पुष्टि की

निर्माता नागा वामसी ने सोशल मीडिया पर साफ किया कि बाकी सितारों के साथ त्रिविक्रम के सहयोग की खबरें सिर्फ अफवाहें हैं। फिलहाल, वह अपनी दो परियोजना पर काम कर रहे हैं।

दो फिल्मों के एक्टर्स हुए निर्धारित

123 तेलुगु की एक खबर के मुताबिक, निर्देशक त्रिविक्रम श्रीनिवास की अगली दो फिल्मों की घोषणा हो चुकी है। वह पहले अभिनेता वेंकटेश के साथ एक फिल्म करेंगे और इसके बाद जूनियर एनटीआर के साथ एक पौराणिक फिल्म बनाएंगे। निर्माता नागा वामसी ने सोशल मीडिया पर साफ किया कि बाकी सितारों के साथ त्रिविक्रम के सहयोग की खबरें सिर्फ अफवाहें हैं। उन्होंने कहा कि त्रिविक्रम की हर पक्की परियोजना की घोषणा वह खुद सोशल मीडिया पर करेंगे।

नागा वामसी का पोस्ट

नागा वामसी ने अपने एक्स अकाउंट पर त्रिविक्रम की दो फिल्मों को लेकर पोस्ट शेयर किया। उन्होंने लिखा, त्रिविक्रम गरु की अगली 2 परियोजनाएं तय हो गई हैं। बाकी सब तो महज अटकलें हैं। त्रिविक्रम गरु की किसी भी कंफर्म परियोजना की घोषणा मैं इसी जगह जल्द करूंगा।

- साभा

साउथ अफ्रीका पहली बार वर्ल्ड टेस्ट चैंपियन

डब्ल्यूटीसी फाइनल में ऑस्ट्रेलिया को 5 विकेट से हराया, 27 साल बाद आईसीसी टूर्नामेंट जीता

लंदन (एजेंसी)। साउथ अफ्रीका ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप जीत ली है। टीम ने शनिवार को डिफेंडिंग चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को 5 विकेट से हराया। साउथ अफ्रीका की टीम क्रिकेट के किसी भी फॉर्मेट में पहली बार वर्ल्ड चैंपियन बनी है। इतना ही नहीं, टीम ने 27 साल के बाद कोई आईसीसी टूर्नामेंट जीत लिया है। टीम ने 1998 में चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी।

लंदन के लॉर्ड्स स्टेडियम में मैच के चौथे दिन लंच से पहले साउथ अफ्रीका ने 282 रन का टारगेट 5 विकेट पर हासिल कर लिया। ऐडन मार्करम ने 136 रन बनाए, जबकि टेम्बा बावुमा ने 66 रनों की पारी खेली।

ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में 218 रन बनाते हुए अफ्रीका को 282 रन का टारगेट दिया था। पहली पारी में ऑस्ट्रेलिया ने 212 और साउथ अफ्रीका ने 138 रन बनाए। यहां कंगारू टीम को 74 रन की बढ़त मिली थी।

ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में बनाए 207 रन, दक्षिण अफ्रीका के सामने दिया था 282 का लक्ष्य

मिचेल स्टार्क (नाबाद 58) की अर्धशतकीय पारी और आखिरी विकेट के लिए जोश हेजलवुड (17) के साथ 59 रन की साझेदारी के बूते ऑस्ट्रेलिया ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के तीसरे दिन शुक्रवार को अपनी दूसरी पारी में 207 रन बनाकर दक्षिण अफ्रीका को जीत के लिए 282 रन का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य दिया था।

ऑस्ट्रेलिया ने दिन की शुरुआत आठ विकेट पर 144 रन से की और कागिसो रबाडा ने दिन के तीसरे ओवर में ही नाथन लियोन (दो) को पगबाधा कर उसे नौवां झटका दिया। लियोन ने मैदानी अंपायर के फैसले के खिलाफ डीआरएस का इस्तेमाल किया लेकिन उन्हें इसका कोई फायदा नहीं हुआ। स्टार्क और हेजलवुड ने

इसके बाद दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजों को विकेट के लिए तरसाते हुए 135 गेंदों में 59 रन की साझेदारी की। एडेन मारक्रम ने ऑस्ट्रेलिया की पारी के 65वें ओवर में केशव महाराज के हाथों हेजलवुड को कैच कराकर ऑस्ट्रेलिया की पारी को खत्म किया जिसके बाद अंपायरों ने लंच की घोषणा कर दी।

स्टार्क ने तीन घंटे से अधिक की पारी में 136 गेंद का सामना कर पांच चौके लगाए। वह बृहस्पतिवार को जब क्रीज पर उतरे थे उस समय ऑस्ट्रेलिया की टीम 73 रन पर सात विकेट गंवा कर मुश्किल स्थिति में थी। उन्होंने एलेक्स कैरी के साथ आठवें विकेट के लिए 61 रन की साझेदारी करने के बाद आखिरी विकेट के लिए 59 रन जोड़ कर मैच में ऑस्ट्रेलिया की स्थिति बेहद मजबूत कर दी। स्टार्क और हेजलवुड टेस्ट क्रिकेट में दसवें विकेट के लिए तीन बार पचास से अधिक की साझेदारी करने वाली दूसरी जोड़ी है, उनसे पहले यह उपलब्धि बीजे वाटलिंग और ट्रेंट बोल्ट ने हासिल की थी।

दिन की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया के निचले क्रम के बल्लेबाजों को दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजों ने परेशान किया। स्टार्क और हेजलवुड को किस्मत का भी साथ मिला जब गेंद बल्ले के करीब से निकली या बल्ले का किनारा लेते हुए क्षेत्ररक्षकों से दूर रही। हेजलवुड ने भी स्टार्क का साथ अच्छे से दिया और अपनी बल्लेबाजी तकनीक से प्रभावित करते हुए 53 गेंद की पारी में दो चौके लगाये। मार्को यानसेन की गेंद स्टार्क के बल्ले का किनारा लेते हुए स्लिप के ऊपर से चार रनों के लिए चली गई जिससे उन्होंने टेस्ट में अपना 11वां अर्धशतक पूरा किया और टीम के स्कोर को 200 रन तक पहुंचाया। आखिरी विकेट चटकाने के लिए दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बावुमा ने तेज गेंदबाजों को आजमाने के बाद केशव महाराज को गेंदबाजी दी। महाराज भी टीम को सफलता दिलाने में नाकाम रहे जिसके बाद मारक्रम को गेंद थमाई गयी। इस कामचलाऊ स्पिनर का पहला ओवर मेडन रहा लेकिन उनके दूसरे ओवर की आखिरी गेंद पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में हेजलवुड महाराज को कैच दे बैठे। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी में 212 रन के जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम 138 रन पर आउट हो गयी थी।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

साउथ अफ्रीका- टेम्बा बावुमा (कप्तान), रायन रिकेल्टन, ऐडन मार्करम, वियान मुल्डर, ट्रिस्टन स्टब्स, डेविड बेडिंघम, काइल वेरियन (विकेटकीपर), मार्को यानसन, केशव महाराज, कगिसो रबाडा, लुंगी एनगिडी।

ऑस्ट्रेलिया- पैट कमिंस (कप्तान), उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, कैमरन ग्रीन, स्टीव स्मिथ, ट्रैविस हेड, ब्यू वेबस्टर, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), मिचेल स्टार्क, नाथन लायन, जोश हेजलवुड।

पहली बार बिग बैश में खेलेंगे बाबर आजम, प्लेयर ड्राफ्ट से पहले इस टीम से जुड़े

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान के बल्लेबाज बाबर आजम को अगले सप्ताह के प्लेयर ड्राफ्ट से पहले सिडनी सिक्सर्स ने अनुबंधित किया है जिसके बाद वह पहली बार बिग बैश में खेलेंगे। पूर्व पाकिस्तानी कप्तान, टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के इतिहास में दूसरे सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। 30 वर्षीय बाबर ने 320 टी20 मैच खेले हैं, और हाल ही में पाकिस्तान सुपर लीग में पेशावर ज़ालमी के लिए सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी थे। उन्हें बांग्लादेश के खिलाफ़ पाकिस्तान की हालिया टी20 सीरीज़ के लिए नहीं चुना गया था। बाबर ने कहा, 'दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टी20 लीगों में से एक में खेलना और इतनी सफल और सम्मानित फ़्रैंचाइज़ी का हिस्सा बनना एक रोमांचक अवसर है। सिक्सर्स 2024-25 सीज़न में दूसरे स्थान पर रहे, लेकिन प्ले-ऑफ में लगातार हार का सामना करना पड़ा, प्रतिद्वंद्वी सिडनी थंडर से बाहर होने से पहले होबार्ट हरिकेंस से हार गए। प्रत्येक फ़्रैंचाइजी को गुरुवार के ड्राफ़्ट से पहले एक विदेशी खिलाड़ी को अनुबंधित करने की अनुमति है। सिक्सर्स एकमात्र पुरुष टीम थी जिसने अपने विदेशी खिलाड़ी को अनुबंधित नहीं किया, इंग्लैंड के जेमी ओवरटन, क्रिस जॉर्डन, टॉम कुरेन और सैम बिलिंग्स सभी ने अन्य टीमों के साथ अनुबंध किया। इंग्लैंड की जोड़ी जैकब बेथेल और ओली पोप, जो पिछले सीजन में पहली बार प्रतियोगिता में खेले थे। वे दोनों अपनी पिछली फ्रेंचाइजी, मेलबर्न रेनेगेड्स या एडिलेड स्ट्राइकर्स द्वारा बनाए रखे जा सकते हैं, प्रत्येक टीम को ड्राफ्ट में एक और खिलाड़ी को बनाए रखने की अनुमति है। एमी जोन्स, एलिस कैप्सी, डेनी गिब्सन, हीथर नाइट, सोफी एक्लेस्टोन और डेनी वायट-हॉज सभी को महिलाओं की प्रतियोगिता में बनाए रखा जा सकता है, जहां किसी भी अंग्रेजी खिलाड़ी को पहले से साइन नहीं किया गया है। इंग्लैंड के सैम करन और लॉरेन बेल और पाकिस्तान की तिकड़ी शाहीन शाह अफरीदी, मोहम्मद रिजवान और शादाब खान ड्राफ्ट में उपलब्ध होने वाले नए नामों में शामिल हैं।

एमसीसी ने 'बन्नी हॉप' बाउंड्री कैच को अवैध माना, नया नियम इसी महीने लागू होगा

नईदिल्ली (एजेंसी)। क्रिकेट के नियमों के संरक्षक मेरिलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) ने 'बन्नी हॉप' यानि सीमा रेखा के बाहर कई बार हवा में उछलकर कैच करने को गैरकानूनी माना है तथा इस संदर्भ में नए नियम इसी महीने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के खेल की परिस्थितियों से जुड़ी शर्तों और अगले साल अक्टूबर से एमसीसी के नियमों में शामिल कर लिया जाएगा। इस नए नियम के लागू होने के बाद बीबीएल 2023 के दौरान माइकल नेसर और 2020 में मैट रेनशॉ की मदद से टॉम बैंटन द्वारा लिए गए शानदार कैच वैध नहीं माने जाएंगे।आईसीसी ने इस संदर्भ में अपने सदस्य बोर्ड को एक नोट भेजा है जिसने कहा गया है कि वर्तमान नियमों के अनुसार कुछ शानदार कैच देखने को मिले लेकिन इस नियम के कारण कुछ असामान्य देखने वाले कैच भी वैध मान दिए गए जो अधिकतर क्रिकेट प्रेमियों को भी अनुचित लगे। एमसीसी ने नेसर द्वारा लिए गए कैच का जिक्र करते हुए कहा कि फील्डर ने बाउंड्री के अंदर कैच पूरा करने से पहले 'बन्नी हॉप' किया। नियमों के अनुसार हालांकि यह तब सही था लेकिन ऐसा लग रहा था कि फील्डर सचमुच में सीमा रेखा से कई बार बाहर निकल गया था। इन दोनों घटनाओं ने नई बहस को जन्म दिया जिसके बाद आईसीसी और एमसीसी को अपने नियम 19.5.2 की समीक्षा करनी पड़ी। एमसीसी ने अब स्पष्ट किया है कि सीमा रेखा के पार से छलांग लगाने के बाद गेंद के साथ दूसरी बार संपर्क बनाने के लिए किसी भी क्षेत्ररक्षक को सीमा रेखा के अंदर मैदान पर आना होगा अन्यथा उसे बाउंड्री मान लिया जाएगा। नोट में कहा गया है, ''एमसीसी ने इसे एक नया शब्द 'बन्नी हॉप' दिया है जिसे अब गैरकानूनी माना जाएगा लेकिन इस तरह के कैच, जिनमें क्षेत्ररक्षक गेंद को सीमा रेखा के अंदर फेंकने के बाद बाहर कदम रखता है और फिर सीमा रेखा के अंदर जाकर उसे कैच करता है तो इस तरह के कैच को वैध माना जाएगा।

यह जानना महत्वपूर्ण है कि कब तैयार रहना है: कृष्णा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने कहा कि उन्होंने टीम की जरूरतों के अनुसार खेलना सीख लिया है और अब वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की अपनी शानदार फॉर्म को इंग्लैंड दौरे पर भी जारी रखना चाहते हैं। चोट से उबरकर वापसी करने वाले प्रसिद्ध ने आईपीएल में शानदार प्रदर्शन किया और सर्वाधिक विकेट लेकर पर्पल कैप हासिल की। वह अब इंग्लैंड के खिलाफ 20 जून से लीड्स में शुरू होने वाली पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला को लेकर उत्साहित हैं। भारतीय टीम अभी यहां आपस में ही अभ्यास मैच खेल रही है।

प्रसिद्ध ने बीसीसीआई टीवी से कहा, ''आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि जब आपका मौका आए तो आप उसके लिए तैयार रहें लेकिन आप वास्तव में लंबे समय तक ध्यान केंद्रित नहीं रख सकते हैं, खासकर जब आप बाहर बैठे हों, इसलिए आपको यह

सुनिश्चित करना होगा कि आप थोड़ा मौज-मस्ती भी करें। उन्होंने कहा,''जब आप जानते हैं कि आप स्थिति को भांप सकते हैं, तो आप यह सुनिश्चित करते हैं कि आप विशेष परिस्थितियों में अपनी टीम की मदद करें। यह सुनिश्चित करें कि आप पूरी तरह से तैयार रहें, क्योंकि खेल में कुछ भी हो सकता है, यही अपने आप में क्रिकेट की खूबसूरती है। प्रसिद्ध ने कहा, ''मुझे लगता है कि हम सभी इस बात को अच्छी तरह से जानते हैं कि कब स्विच ऑन और कब स्विच ऑफ करना है। गुजरात टाइटंस की तरफ से आईपीएल में शानदार प्रदर्शन करके भारतीय टीम में जगह बनाने वाले प्रसिद्ध ने कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला से पहले यहां कुछ अभ्यास मैच खेलने से टीम को काफी फायदा होगा।

उन्होंने कहा, '''हम सभी के लिए मैदान पर कुछ समय बिताना बेहद महत्वपूर्ण है। आज भी हमने यही किया। यह एक अच्छी, बढ़िया और सख्त पिच लग रही है। गेंदबाजों ने अच्छी गेंदबाजी की जबकि बल्लेबाजों ने भी जज्बा दिखाया। जब आप अपने आपस में ही मैच खेलते हैं तो बहुत अच्छा लगता है। बीसीसीआई के अपडेट के अनुसार अभ्यास मैच के पहले दिन कप्तान शुभमन गिल और केएल राहुल ने अर्धशतक बनाए, जबकि शार्दुल ठाकुर विकेट लेने वाले गेंदबाजों में शामिल थे।

इंट्रा-स्क्वाड में चमके गिल, राहुल और शार्दुल

हेडिंग्ले टेस्ट से पहले फुल जोश में टीम इंडिया

नई दिल्ली। बेकेनहम में खेले जा रहे इंट्रा-स्क्वाड मैच के पहले दिन टीम इंडिया के टेस्ट कप्तान शुभमन गिल और स्टार बल्लेबाज केएल राहुल ने शानदार अर्धशतक जड़े। ये मुकाबला आगामी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले अपनी तैयारियों को पुख्ता करने के लिए टीम इंडिया खेल रही है।

मैच बंद दरवाजे के पीछे खेला जा रहा है, जिसको लेकर बीसीसीआई ने अपने आधिकारिक (पहले ट्विटर) अकाउंट पर मैच की कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें नए कप्तान शुभमन गिल और केएल राहुल को बड़े शॉट लगाते हुए देखा जा रहा है।

दरअसल, इंट्रा-स्क्वाड मैच बंद दरवाजों के पीछे खेला जा रहा है और यही वजह है कि इसकी कोई लाइव स्ट्रीमिंग या टेलीकास्ट उपलब्ध नहीं है। इस महीने के अंत में होने वाली इंग्लैंड के खिलाफ आगामी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज की तैयारी के लिए इंडिया-ए ने पिछले हफ्ते इंग्लैंड लायंस के साथ दो अनौपचारिक टेस्ट मैचों की सीरीज खेली थी और दूसरे अनौपचारिक मैच के दौरान केएल राहुल ने एक शानदार शतक भी जड़ा था।

इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के दौरान केएल राहुल पारी की शुरुआत करते हुए नजर आएंगे। उन्होंने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज के दौरान भी ओपनिंग की थी और अपने बल्लेबाजी प्रदर्शन से सभी को इंप्रेस किया था। उन्होंने इंट्रा स्क्वॉड मैच में भी शानदार फिफ्टी ठोकी। उनके साथ ही कप्तान गिल ने भी अर्धशतक जड़ा। वहीं गेंदबाजी में शार्दुल ठाकुर ने महफिल लूटी। ठाकुर ने अपने इस प्रदर्शन के जरिए प्लेइंग इलेवन में शामिल होने की दावेदारी पेश की है।

बीसीसीआई ने तस्वीरों को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, बेकेनहम...इंट्रा-स्क्वाड गेम में एक ठोस शुरुआती दिन! केएल राहुल और कप्तान शुभमन गिल के लिए अर्धशतक, शार्दुल ठाकुर ने विकेट लिए।

बीसीसीआई द्वारा शेयर की गई फोटो में नॉन स्ट्राइकर एंड पर यशस्वी को देखा जा रहा है, लेकिन बीसीसीआई ने उनके परफॉर्मेंस का पोस्ट में कोई जिक्र नहीं किया, जिससे ये समझा जा रहा है कि वह इस मैच में कुछ खास नहीं कर पाए। बता दें कि उनका यह पहला इंग्लैंड दौरा है। यहां की परिस्थितियों में ढलने के लिए यह युवा बल्लेबाज पहले ही इंग्लैंड आ गए थे। उन्होंने इंडिया ए के लिए दो मैच खेले, लेकिन वह उसमें कुछ खास नहीं कर सके।

स्टीव स्मिथ इंजरी की वजह से वेस्टइंडीज दौरा भी कर सकते मिस

नई दिल्ली। आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल 2025 के तीसरे दिन ऑस्ट्रेलिया को एक बड़ा झटका उस वक्त लगा, जब स्टार बल्लेबाज स्टीव स्मिथ उंगली की गंभीर चोट के कारण मैच के बाकी हिस्से से बाहर हो गए।

लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर खेले जा रहे डब्ल्यूटीसी फाइनल में दक्षिण अफ्रीका की दूसरी पारी के दौरान, अनुभवी क्रिकेटर को पहली स्लिप में फील्डिंग करते समय उनकी दाहिनी छोटी उंगली में डिसलोकेशन हो गई। स्टीव स्मिथ से ना तो टेम्बा का कैच बच सका और न ही उनकी उंगली बच पाई। बावुमा का कैच जब ड्रॉप हुआ, तब वह महज 2 रन बनाकर खेल रहे थे।इस मैच के बीच चोट लगने के बाद स्टीव को तुरंत ही मैदान छोड़ना पड़ा और उन्हें अस्पताल ले जाया गया। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के प्रवक्ता ने द ऐज को बताया कि स्टीव की चोटिल उंगली की जांच के लिए उन्हें एक्स-रे के लिए ले जाया गया।दरअसल, साउथ अफ्रीका की टीम को ऑस्ट्रेलिया ने 282 रन का टारगेट दिया और इसका पीछा करते हुए तीसरे दिन स्टंप्स तक अफ्रीका ने 213 रन बना लिए थे।

गिल की कप्तानी पर अश्विन ने कहा-

उम्मीद है कि उन्हें अच्छी शुरुआत मिलेगी ताकि कोई सवाल न उठे

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के पूर्व ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने 20 जून से लीड्स में इंग्लैंड के खिलाफ शुरू होने वाली पांच मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले शुभमन गिल की भारत के नए टेस्ट कप्तान के रूप में नियुक्ति पर अपने विचार साझा किए। वरिष्ठ खिलाड़ियों रोहित शर्मा के संन्यास के बाद यह सीरीज भारतीय टेस्ट क्रिकेट में एक नए युग की शुरुआत है और विराट कोहली टेस्ट से और अश्विन खुद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से। अश्विन ने कहा, मुझे लगता है कि गिल पहले से ही उस ध्यान और जिम्मेदारी से बहुत अभिभूत हैं जो उन्हें मिल रही है। अगर मैं उनकी जगह होता और इतने दबाव वाले काम पर होता, तो मैं बल्लेबाज के तौर पर बहुत अच्छी शुरुआत करना चाहता। उन्होंने बताया कि इंग्लैंड में बल्लेबाजी करना हमेशा चुनौतीपूर्ण होता है और गिल को कप्तान और बल्लेबाज दोनों के तौर पर खुद को साबित करना होगा।

उन्होंने कहा, बल्लेबाज के तौर पर, उनके स्थान को लेकर कई सवाल उठेंगे, क्योंकि इंग्लैंड में बल्लेबाजी करना बहुत मुश्किल हो सकता है। लेकिन अगर वह रन बनाते हैं, तो रन बनाने से आत्मविश्वास बढ़ेगा और यह कप्तानी पर भी असर डालेगा।÷ गिल को÷बहुत खास खिलाड़ बताते हुए अश्विन ने कहा, मुझे उम्मीद है कि वह किसी भी सवाल से बचने के लिए बहुत अच्छी शुरुआत करेंगे।

भारतीय फुटबॉल में विवाद जारी, एआईएफएफ प्रमुख चौबे ने भूटिया पर लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने शुक्रवार को बाईचुंग भूटिया पर अपने 'निहित स्वार्थ' के लिए व्यावसायिक अकादमियां चलाने का आरोप लगाया। राष्ट्रीय टीम के पूर्व कप्तान ने हालांकि इन आरोपों को निराधार बताया।

चौबे का यह आरोप हाल ही में एएफसी एशियाई कप क्वालिफाइंग दौर के मैच में हांगकांग से भारत की चौंकाने वाली हार के बाद भूटिया द्वारा एआईएफएफ प्रमुख के पद से इस्तीफा मांगने के जवाब में था। भूटिया ने कहा था कि चौबे ने भारतीय फुटबॉल को नष्ट कर दिया है। चौबे से जब भूटिया की टिप्पणियों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, वह अपने नाम से एक व्यावसायिक फुटबॉल स्कूल चलाते हैं। वह 20 विभिन्न शहरों में हैं। इस फुटबॉल स्कूल में खिलाड़ी 1000 से

एक लाख रुपये तक का भुगतान करते हैं। उनसे एक हजार से 10000 रुपये तक महीना लिया जाता है।

चौबे बाइचुंग भूटिया फुटबॉल स्कूल (बीबीएफएस) का जिक्र कर रहे थे, जिसकी देश भर में कई अकादमियां हैं। एआईएफएफ अध्यक्ष ने कहा, यह पूरी तरह से निहित स्वार्थ है, पूरी तरह से व्यावसायिक है। वे (अकादमी) परिवारों की भावनाओं, लोगों की भावनाओं के साथ खेलकर अनुचित लाभ उठा रहे हैं। लोग सोचते है कि उस व्यक्ति ने भारतीय फुटबॉल के उच्चतम स्तर पर पहुंच बनाई है और अगर मैं (अकादमी में बच्चा) उनकी अकादमी का हिस्सा बन सकता हूं, तो मैं भी एक फुटबॉल खिलाड़ी के रूप में अपना जीवन बना सकता हूं।

भूटिया ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि चौबे को इस बात की कोई जानकारी नहीं है कि अकादमी कैसे चलाई जाती है। उन्होंने कहा कि उन्होंने अपने फुटबॉल स्कूल अपनी मेहनत की कमाई से खोले हैं। भूटिया ने सिक्किम से 'पीटीआई' से कहा, %वह (चौबे) ऐसे व्यक्ति हैं जिनके पास जानकारी का आभाव है। वह बेबुनियाद आरोप लगा रहे हैं। उन्हें फुटबॉल अकादमी के बारे में कुछ भी नहीं पता। मैंने 14 साल पहले अपनी मेहनत की कमाई से फुटबॉल स्कूल खोले हैं। राज्यों, केंद्र और कॉरपोरेट्स से कोई वित्तीय सहायता नहीं मिली।

उन्होंने कहा, पिछले दो सालों में बच्चों की मदद के लिए केवल कुछ ही प्रायोजक आए हैं। देश भर में मेरे स्कूलों में हर दिन 6000 से अधिक बच्चे खेलते हैं। एआईएफएफ भी ऐसा नहीं कर सकता। उन्होंने कहा, वह फीस की बात कर रहे हैं लेकिन मेरे स्कूलों में 150 योग्य कोच और उनके द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे मैदानों का खर्च कौन उठाएगा, कोई भी मुझे वित्तीय रूप से मदद नहीं कर रहा है। अकादमी चलाने के लिए मुझे फीस तो लेनी ही होगी। लेकिन मुझे नहीं पता कि वह कहां से 10,000 रुपये प्रति बच्चा प्रति माह की फीस की बात कर रहे हैं।हम इतना शुल्क नहीं लेते हैं।

ईरान ने अपने परमाणु और सैन्य ठिकानों पर इजराइली हमलों के बाद जवाबी कार्रवाई की

» दुबई, भाषा।

ईरान ने शनिवार सुबह इजराइल पर जवाबी हमले करते हुए मिसाइल और ड्रोन दागे, जिसमें कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और दर्जनों लोग घायल हुए हैं। यह हमला ईरान के परमाणु कार्यक्रम और उसके सशस्त्र बलों पर इजराइल के कई हमलों के बाद हुआ है। अधिकारियों के अनुसार, इजराइल ने प्रमुख प्रतिष्ठानों पर हमला करने तथा शीर्ष जनरलों और वैज्ञानिकों को मारने के लिए लड़ाकू विमानों का इस्तेमाल किया गया। इजराइल ने साथ ही देश में पहले से गोपनीय तरीके से लाए गए ड्रोनों का भी इस्तेमाल किया। संयुक्त राष्ट्र के लिए ईरान के राजदूत ने कहा कि हमलों में 78 लोग मारे गए और 320 से अधिक घायल हुए। ईरान ने जवाबी कार्रवाई करते हुए इजराइल पर ड्रोन और बैलिस्टिक मिसाइलों की बौछार कर दी, जिसके विस्फोटों से यरुशलम और तेल अवीव के ऊपर रात के आसमान में रोशनी हो गई। इजराइली सेना ने नागरिकों से सुरक्षित स्थानों में रहने का आग्रह किया है।

इजराइल और ईरान दोनों ने कहा कि उनके हमले जारी रहेंगे, जिससे पश्चिम एशिया में लंबे समय तक एक और संघर्ष के जारी रहने की आशंका बढ़ गई है। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने शुक्रवार को कहा कि उनका उद्देश्य इजराइल के लिए किसी भी ईरानी खतरे को खत्म करना है, साथ ही उन्होंने ईरान के नागरिकों से अपने नेताओं के खिलाफ उठ खड़े होने का भी आग्रह किया। इजराइल के हमलों से अमेरिका और ईरान के बीच परमाणु समझौते पर आगे की बातचीत भी संदेह के घेरे में आ गई है। दोनों देशों के बीच रविवार को ओमान में वार्ता होनी थी। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने शनिवार को कहा कि देश पर इजराइली हमलों के बाद अमेरिका के साथ आगामी परमाणु वार्ता निरर्थक है। बाघेई ने कहा, अमेरिका ने ऐसा काम किया है कि बातचीत का कोई अर्थ नहीं बचा। इजराइल ने अपने हमलों के ज़रिए आपराधिक कृत्य करके सभी लक्ष्मण रेखाएं पार कर दी हैं। हालांकि, उन्होंने यह कहने से परहेज किया कि वार्ता रद्द कर दी गई है। ईरान की न्यायपालिका द्वारा संचालित मीज़ान समाचार एजेंसी ने उन्हें यह कहते हुए उद्धृत किया, रविवार की वार्ता के बारे में फिलहाल कोई निर्णय नहीं लिया गया है। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने शुक्रवार को एक संदेश में कहा, हम उन्हें इस अपराध के बाद बच कर नहीं निकलने देंगे। ईरान ने शुक्रवार देर रात और शनिवार सुबह इजराइल पर मिसाइलों की बौछार की। शनिवार सुबह ईरान के लोगों को सरकारी टेलीविजन पर इजराइल पर हमलों की बार-बार क्लिप दिखाई गई, साथ ही लोगों के खुशी मनाते और मिठाइयां बांटने के वीडियो भी दिखाए गए। इजराइल की सेना ने कहा कि शनिवार तड़के मृत सागर के पास और अधिक ड्रोनों को रोका गया। ईरान की तरफ से दूसरे दिन किए गए हमलों में घायल हुए सात लोगों का तेल अवीव के एक अस्पताल में इलाज किया गया। घायलों में एक की हालत गंभीर है। इजराइल की अग्निशमन और बचाव सेवाओं ने कहा कि प्रक्षेपास्त्र के एक इमारत से टकराने के कारण ये लोग घायल हुए। बेइलिन्सन अस्पताल के प्रवक्ता ने बताया कि एक महिला की मौत हो गई। इजराइल की पैरामेडिक सेवा मैगन डेविड एडोम के अनुसार कुछ घंटों बाद एक ईरानी मिसाइल मध्य इजराइली शहर रिशोन लेजयिन में घरों के पास गिरी, जिससे दो और लोगों की मौत हो गई और 19 लोग घायल हो गए। इजराइल की अग्निशमन और बचाव सेवा ने कहा कि चार घर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए इस बीच, शनिवार आधी रात के बाद मध्य तेहरान में विस्फोटों और ईरानी हवाई रक्षा प्रणालियों द्वारा लक्ष्यों पर की गई गोलीबारी की आवाजें गूंजने लगीं। ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी तस्नीम ने तेहरान के मेहराबाद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आग लगने की खबर दी है, साथ ही एक्स पर एक वीडियो भी साझा किया जिसमें धुएं का गुबार और लपटें उठती दिखाई दे रही हैं। इजराइली सेना ने कहा कि उसने तेहरान के क्षेत्र में हवाई सुरक्षा सहित दर्जनों लक्ष्यों पर रात भर हमले किए।

इजराइल का मुख्य अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा अगले आदेश तक बंद रहेगा

दुबई। ईरान की ओर से ड्रोन और मिसाइल हमलों के मद्देनजर इजराइल का मुख्य अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा अगले आदेश तक बंद रहेगा। इजराइल के हवाई अड्डा प्राधिकरण ने शनिवार को यह जानकारी दी। इजराइल ने शुक्रवार सुबह ईरान के सैन्य और परमाणु ठिकाने पर हमले किए थे। जवाब में ईरान की ओर से मिसाइल और ड्रोन हमले किए जाने के बाद, तेल अवीव के पास बेन गुरियन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को बंद कर दिया गया। लेबनान और जॉर्डन समेत क्षेत्र के विभिन्न देशों ने कहा कि वे शनिवार को अपने हवाई क्षेत्र को फिर से खोल रहे हैं।

जॉर्डन का हवाई क्षेत्र नागरिक विमानों के लिए पुनः खोला जाएगा: सरकारी मीडिया

दुबई। जॉर्डन शनिवार सुबह नागरिक विमानों के लिए अपने हवाई क्षेत्र को पुनः खोल देगा जिससे यह संकेत मिलता है कि पश्चिम एशिया के इस देश का मानना है कि अब और हमलों का कोई तत्काल खतरा नहीं है। सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी। देश की सरकारी समाचार एजेंसी पेट्रा ने कहा कि स्थानीय समयानुसार सुबह साढ़े सात बजे हवाई क्षेत्र फिर से खुल जाएगा। जॉर्डन के हवाई क्षेत्र से ईरानी ड्रोन और मिसाइलों को गुजरते देखा गया है तथा संभवतः इजराइली लड़ाकू विमानों ने भी वहां लक्ष्य साधे हैं। इजराइल और ईरान के बीच संघर्ष ने पश्चिम एशिया के माध्यम से होने वाली पूर्व-पश्चिम यात्रा को बाधित कर दिया है, जो एक प्रमुख वैश्विक विमानन मार्ग है।

ईरान ने इजराइली हमलों में दो और उच्चस्तरीय जनरलों की मौत होने की पुष्टि की

दुबई। ईरान ने इजराइली हमलों में अपने सशस्त्र बलों के दो और उच्चस्तरीय जनरलों के मारे जाने की पुष्टि हुई है। ईरान के सरकारी टीवी ने शनिवार को यह जानकारी दी। सरकारी टीवी के अनुसार हमलों में जान गंवाने वालों की पहचान सेना के जनरल स्टाफ के खुफिया उप प्रमुख जनरल गुलाम रजा मेहराबी और अभियान शाखा के उप प्रमुख जनरल मेहदी रब्बानी के रूप में हुई है। हालांकि यह नहीं बताया गया है कि दोनों की मौत कहां पर हुई। इजराइल ने शुक्रवार को ईरान पर हमले किए थे, जिनमें सेना के चीफ ऑफ स्टाफ और अर्धसैनिक बल रिवोल्यूशनरी गार्ड के प्रमुख समेत सशस्त्र बलों के कई उच्चस्तरीय अधिकारियों की मौत हुई है।

ईरान ने इजराइली हमलों के बाद अमेरिका के साथ परमाणु वार्ता को निरर्थक करार दिया

दुबई। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने शनिवार को कहा कि देश पर इजराइली हमलों के बाद अमेरिका के साथ आगामी परमाणु वार्ता निरर्थक है। सरकारी टेलीविजन ने एक खबर में यह जानकारी दी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई की टिप्पणियों से दोनों देशों के बीच रविवार को ओमान में होने वाली वार्ता पर संदेह के बादल मंडराने लगे हैं। खबर में बाघेई के हवाले से कहा गया, अमेरिका ने ऐसा काम किया है कि बातचीत का कोई अर्थ नहीं बचा। उन्होंने कहा कि इजराइल ने अपने हमलों के ज़रिए आपराधिक कृत्य करके सभी लक्ष्मण रेखाएं पार कर दी हैं। हालांकि, उन्होंने यह कहने से परहेज किया कि वार्ता रद्द कर दी गई है। ईरान की न्यायपालिका द्वारा संचालित मीज़ान समाचार एजेंसी ने उन्हें यह कहते हुए उद्धृत किया, रविवार की वार्ता के बारे में फिलहाल कोई निर्णय नहीं लिया गया है।

अगर ईरान ने मिसाइलें दागना जारी रखा तो तेहरान तबाह हो जाएगा : इजराइल के रक्षा मंत्री

दुबई, (भाषा)। इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने शनिवार को ईरान को चेतावनी दी कि अगर उसने मिसाइलें दागना जारी रखा तो तेहरान तबाह हो जाएगा। उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब शुक्रवार सुबह ईरान के परमाणु ठिकानों पर इजराइल के हमले के बाद ईरान ने शनिवार रात इजराइल पर जवाबी हमले शुरू किए। काट्ज ने इजराइल रक्षा बल (आईडीएफ) के चीफ ऑफ स्टाफ इयाल जमीर, खुफिया एजेंसी मोसाद के निदेशक डेविड बार्निया और अन्य शीर्ष सैन्य अधिकारियों के साथ स्थिति का आकलन करने के दौरान कहा, ईरानी तानाशाह ईरान के नागरिकों को अपनी आड़ बना रहा है और ऐसे हालात बना रहा है जिसमें वे, विशेष रूप से तेहरान के निवासी, इजराइली नागरिकों पर आपराधिक हमले की भारी कीमत चुकाएंगे। रक्षा मंत्री ने कहा, अगर (अली) खामेनेई इजराइल के घरेलू मोर्चे पर मिसाइलें दागना जारी रखते हैं, तो तेहरान तबाह हो जाएगा। इजराइल ने अब तक अपने हमलों को ईरानी परमाणु और सैन्य ठिकानों तक सीमित रखा है तथा उनसे जुड़े प्रमुख अधिकारियों को निशाना बनाया है। आईडीएफ ने कहा कि ईरान ने कल रात से अब तक कई बार किए गए हमले में इजराइल पर 200 बैलिस्टिक मिसाइलें दागी हैं। उसने दावा किया कि अधिकतर मिसाइलों को हवाई रक्षा प्रणाली द्वारा नष्ट कर दिया गया। सेना ने कहा कि कुछ मिसाइलें हवाई रक्षा प्रणाली को भेदकर अंदर घुस गईं और तेल अवीव, रमत गन और मध्य इजराइल के रिशोन लीजियन के आवासीय क्षेत्रों सहित अन्य स्थानों पर जनहानि और क्षति हुई। ऐसा कहा जा रहा है कि ईरानी मिसाइल हमलों में तीन इजराइली मारे गए तथा लगभग 70 अन्य घायल हो गए। आईडीएफ ने कहा कि उसके सभी अड्डे, जिनमें वायु सेना के अड्डे भी शामिल हैं, सामान्य रूप से काम कर रहे हैं और वे प्रभावित नहीं हुए हैं। इस बीच, जमीर और इजराइली वायु सेना प्रमुख तोमेर बार ने कहा है कि तेहरान (पर हमले) का रास्ता साफ हो गया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इजराइली लड़ाकू विमान अब ईरान की राजधानी तेहरान में सीधे हमले कर सकते हैं। इजराइली सेना ने कहा, योजनाओं के अनुसार, वायु सेना के लड़ाकू विमान तेहरान में लक्ष्यों पर हमले करना शुरू करेंगे।

राष्ट्रपति ट्रंप ने अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा टीम के साथ बैठक की

ईरान के पास परमाणु समझौता करने का दूसरा अवसर है : ट्रंप

» वाशिंगटन, भाषा।

इजराइल द्वारा ईरान पर बमबारी जारी रखने का संकल्प जताए जाने के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को ईरान से आग्रह किया कि वह अपने परमाणु कार्यक्रम पर अंकुश लगाने के लिए शीघ्र समझौता करे। ट्रंप ने पश्चिम एशिया में इस नाजुक क्षण को ईरान के नेतृत्व के लिए एक संभावित दूसरे अवसर के रूप में प्रस्तुत किया ताकि और अधिक तबाही से बचा जा सके। राष्ट्रपति ट्रंप ने इजराइल के विनाशकारी हमलों के बाद आगे की कठिन राह पर चर्चा करने के लिए अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा टीम के साथ बैठक की। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने संकल्प जताया है कि ईरान के परमाणु कार्यक्रम को नष्ट करने तक हमले जारी रहेंगे। व्हाइट हाउस ने कहा कि इन हमलों में उसकी कोई संलिप्तता नहीं है।

हालांकि, ट्रंप ने यह रेखांकित किया कि इजराइल ने अमेरिका द्वारा उपलब्ध कराए गए विशाल हथियार भंडार का उपयोग ईरान के नातांज स्थित मुख्य परमाणु संवर्धन केन्द्र, देश के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम और शीर्ष परमाणु वैज्ञानिकों को निशाना बनाने के लिए किया। ट्रंप ने सोशल मंच ट्रुथ पर कहा कि उन्होंने ईरान के नेताओं को चेतावनी दी थी कि यह उससे भी कहीं अधिक बुरा होगा, जो वे सोचते हैं, अनुमान लगाते हैं, या उन्हें बताया गया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका दुनिया के सबसे अच्छे एवं सबसे घातक सैन्य उपकरण बनाता है, और इनमें से काफी कुछ इजराइल के पास है और वे जानते हैं कि इसका उपयोग कैसे करना है। दो अमेरिकी अधिकारियों ने नाम उजागर नहीं करने की शर्त पर बताया कि इजराइली हमलों के बाद अमेरिका अपने पोत समेत अन्य सैन्य साजो-सामान को पश्चिम एशिया में स्थानांतरित कर रहा है ताकि तेहरान के संभावित जवाबी हमलों से निपटा जा सके।

पूरे अमेरिका में ट्रंप के खिलाफ नो किंग्स प्रदर्शन की तैयारी

फिलाडेल्फिया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ पूरे अमेरिका में नो किंग्स नाम से शनिवार को होने वाले प्रदर्शन की बड़े पैमाने पर तैयारी चल रही है। इस बीच अधिकारियों ने लोगों से शांति की अपील की है। इस प्रदर्शन की तैयारी ऐसे समय चल रही है जब नेशनल गार्ड के जवान एकत्र हुए हैं और ट्रंप सेना की 250वीं वर्षगांठ के अवसर पर वाशिंगटन में एक सैन्य परेड में शामिल हुए हैं। फिलाडेल्फिया में नो किंग्स मार्च और रैली की योजना बनाई गई है, लेकिन वाशिंगटन में कोई कार्यक्रम आयोजित करने की योजना नहीं है, जहां ट्रंप के जन्मदिन पर सैन्य परेड होगी। अमेरिका के कई शहरों में पहले ही संघीय आव्रजन प्रवर्तन छापों और ट्रंप द्वारा नेशनल गार्ड सैनिकों और मरीन को लॉस एंजिलिस भेजने के आदेश के खिलाफ देश भर में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं और इनसे उन्हें (रैली के आयोजकों को) और बल मिल रहा है। आव्रजन के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे प्रदर्शनकारियों ने एक राजमार्ग को अवरुद्ध कर दिया और कारों को आग लगा दी। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को नियंत्रित करने के लिए आंसू गैस, रबर की गोलियों और फ्लैश-बैंग ग्रेनेड का इस्तेमाल किया है, जबकि लॉस एंजिलिस में कर्फ्यू लगा दिया गया है। डेमोक्रेटिक पार्टी शासित राज्यों के गवर्नर ने ट्रंप द्वारा गार्ड तैनाती को सत्ता का खतरनाक दुरुपयोग करार दिया है। उनका कहना है कि फैसला दिखाता है कि ट्रंप प्रशासन स्थानीय कानून प्रवर्तन पर भरोसा नहीं करता है। ट्रंप के खिलाफ प्रदर्शनों के आयोजकों का कहना है कि एक मार्च फ्लोरिडा में ट्रंप के मार-ए-लागो रिसॉर्ट के द्वार तक जाएगा, जहां रिपब्लिकन गवर्नर रॉन डेसेंटिस ने प्रदर्शनकारियों को चेतावनी दी थी कि रेखा बहुत स्पष्ट है और इसे पार न करें।

गाजा पर इजराइली हमलों में कम से कम 16 लोगों की मौत, इजराइल ने खोला ईरान के खिलाफ मोर्चा

» दीर अल बलाह, भाषा।

गाजा पट्टी पर शुक्रवार और शनिवार की दरमियानी रात हुए इजराइली हमलों में कम से कम 16 फलस्तीनी नागरिक मारे गए। स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों ने यह जानकारी दी। हमास के साथ 20 महीने से जारी युद्ध के बावजूद इजराइल ने ईरान के खिलाफ मोर्चा खोल दिया, जिसके जवाब में तेल अवीव और यरूशलम में ड्रोन और मिसाइल हमले हुए। इजराइल और अमेरिका समर्थित मानवीय समूह द्वारा संचालित खाद्य वितरण केंद्रों के पास रात भर हुए हमलों में 11 अन्य फलस्तीनी नागरिक मारे गए। फलस्तीनी प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि इजराइली बलों ने भीड़ पर गोलीबारी की जबकि सेना ने बताया कि चेतावनी के तौर पर केवल उन संदिग्धों के पास गोलियां चलाई गईं, जो सैनिकों के नजदीक आए थे।

सेना ने हाल ही में हुई गोलीबारी पर तुरंत कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। ये जगह उन सैन्य क्षेत्रों में स्थित हैं, जहां पर स्वतंत्र मीडिया की मौजूदगी प्रतिबंधित है। गाजा ह्यूमैनिटेरियन फाउंडेशन ने बताया कि शनिवार को इस क्षेत्र को बंद कर दिया गया। फाउंडेशन, इन स्थलों का संचालन करने वाला निजी ठेकेदार है। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि स्थल के पास इकट्ठा हजारों लोग वैसे भी भोजन हासिल करने के लिए बेताब थे क्योंकि इजरायल की नाकेबंदी और सैन्य अभियान ने क्षेत्र को भुखमरी की कगार पर पहुंचा दिया है। अल-अवदा अस्पताल ने बताया कि स्वास्थ्य कर्मियों को मध्य गाजा में स्थल के पास हुई गोलीबारी में आठ लोगों के शव और कम से कम 125 घायल लोग मिले हैं। पास ही बने बुरेज शरणार्थी शिविर के निवासी मोहम्मद अबू हुसैन ने बताया कि इजराइली सेना ने खाद्य वितरण स्थल से करीब एक किलोमीटर दूर भीड़ पर गोलियां चलाईं।

न्यूज ब्रीफ

इजराइल की सेना ने भारत का गलत नक्शा पोस्ट करने के लिए माफी मांगी

» यरूशलम, भाषा।

इजराइली सेना ने जम्मू-कश्मीर को पाकिस्तान के हिस्से के रूप में दर्शाने वाला गलत नक्शा पोस्ट करने के लिए माफी मांगी है और कहा है कि संबंधित मानचित्र सीमाओं को सटीक रूप से चित्रित करने में विफल रहा। इजराइली सेना की ओर से मानचित्र पोस्ट किए जाने के बाद भारतीय सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं ने आपत्ति जताई थी। यह नक्शा इजराइली रक्षा बलों (आईडीएफ) ने शुक्रवार को अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट किया था जिसमें ईरानी मिसाइलों की रेंज दिखाई गई थी। इस पोस्ट की भारत में सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं ने आलोचना की थी। इस संबंध में एक उपयोगकर्ता ने एक्स पर टिप्पणी की, अब आपको समझ में आ गया होगा कि भारत तटस्थ क्यों रहता है।

कूटनीति में कोई भी वास्तव में आपका मित्र नहीं होता। जवाब में आईडीएफ ने स्वीकार किया कि मानचित्र सीमाओं को सटीक रूप से चित्रित करने में विफल रहा है। आईडीएफ ने एक्स पर कहा, यह पोस्ट क्षेत्र का एक चित्रण है। यह मानचित्र सीमाओं को सटीक रूप से चित्रित करने में विफल रहा है। इस छवि के कारण पहुंची किसी भी ठेस के लिए हम क्षमा चाहते हैं। इसने अपने पोस्ट में ईरान के खिलाफ ऑपरेशन राइजिंग लॉयन शुरू करने को उचित ठहराया था और साथ ही गलत मानचित्र पेश किया था। आईडीएफ ने लिखा, ईरान एक वैश्विक खतरा है। इजराइल अंतिम लक्ष्य नहीं है, यह तो केवल शुरुआत है। हमारे पास कार्रवाई करने के अलावा कोई और विकल्प नहीं था। इजराइली वायुसेना ने भी एक छोटा वीडियो पोस्ट किया जिसमें ईरानी मिसाइलों की रेंज को दर्शाते हुए ऐसा ही नक्शा दिखाया गया। विवाद के बाद भारत में इजराइल के राजदूत रियुवेन अजर ने एक्स पर इस मानचित्र को अनजाने में बनाया गया बुरा इन्फोग्राफिक्स करार दिया। राजदूत ने कहा कि उन्होंने नक्शे को हटाने या ठीक करने को कहा है।

इंडोनेशिया के बाली में ऑस्ट्रेलिया के एक नागरिक की गोली मारकर हत्या, एक अन्य घायल

देनपासर, (भाषा)। इंडोनेशिया के पर्यटन द्वीप बाली में एक बंगले में ऑस्ट्रेलिया के एक नागरिक की गोली मारकर हत्या कर दी गई, जबकि इस हमले में एक अन्य ऑस्ट्रेलियाई व्यक्ति घायल हो गया। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। स्थानीय पुलिस प्रमुख आरिफ बतुबारा ने बताया कि घटना की जांच जारी है और पुलिस मामले से संबंधित गवाहों की तलाश कर रही है। उन्होंने बताया कि दोनों पीड़ितों को देनपासर (बाली की प्रांतीय राजधानी) के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस को फिलहाल पता नहीं चला है।

महाराजा चार्ल्स तृतीय ने अहमदाबाद विमान हादसे के पीड़ितों के लिए मौन रखा

» लंदन, भाषा।

ब्रिटेन के महाराजा चार्ल्स तृतीय ने शनिवार को अहमदाबाद से लंदन के गैटविक आ रहे एअर इंडिया के विमान दुर्घटनाग्रस्त होने के कारण मारे गए लोगों की याद में एक मिनट का मौन रखा। उन्होंने अपनी वार्षिक ट्रूपिंग द कलर जन्मदिवस परेड में अंतिम समय में बदलाव किया और पीड़ितों को याद करते हुए बाजू पर काली पट्टी बांधी। बकिंघम पैलेस (ब्रिटिश राष्ट्राध्यक्ष आवास) ने कहा कि 76 वर्षीय महाराजा ने बदलाव इस भयावह त्रासदी में मारे गए लोगों, शोक में डूबे परिवारों और प्रभावित सभी समुदायों के प्रति सम्मान प्रकट करने के लिए किया। परेड में शाही परिवार के सभी सदस्य वर्दी में बांह पर काली पट्टियां बांधे हुए नजर आए, जो बृहस्पतिवार को अहमदाबाद में लंदन आने रहे विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने की वजह से मारे गए 241 यात्रियों और चालक दल के सदस्यों के प्रति सम्मान व्यक्त करने के लिए था। बकिंघम पैलेस ने एक बयान में कहा, इस सप्ताह एअर इंडिया की घटना के बाद, महामहिम ने अनुरोध किया है कि ट्रूपिंग द कलर में वर्दी में शामिल शाही परिवार के सदस्यों को बांह पर काली पट्टियां पहननी चाहिए, जैसा कि जुलूस में शामिल घुड़सवार अधिकारी और सभी वर्दीधारी म्यूज़ स्टाफ को करना चाहिए। बयान में कहा गया, परेड में एक मिनट का मौन भी रखा गया, जो परेड के निरीक्षण के बाद, महामहिम (चार्ल्स और रानी कैमिला) के गाड़ी से बाहर निकलने और मंच पर वेल्स की राजकुमारी (केट मिडलटन) के साथ शामिल होने के बाद रखा गया।

महाराजा चार्ल्स तृतीय की जन्मदिन सम्मान सूची में 30 से अधिक भारतीय मूल के पेशेवर शामिल

लंदन। महाराजा चार्ल्स तृतीय की जन्मदिन सम्मान सूची 2025 में 30 से अधिक भारतीय मूल के पेशेवरों को शामिल किया गया है, जिनमें लोक सेवा के नायक, स्वास्थ्य और प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ, कलाकार और शिक्षाविद प्रमुख हैं सार्वजनिक सेवा में योगदान के लिए लंदन नगर निगम के प्रेम बाबू गोयल, व्यापार और प्रौद्योगिकी क्षेत्र में सेवाओं के लिए अमेजन वेब सर्विसेज की तनुजा रैंडरी और एनएचएस से जुड़े प्रोफेसर जगतार सिंह को कमांडर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द ब्रिटिश एम्पायर सम्मान से नवाज़ा गया है। इंग्लैंड फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान डेविड बेकहम को खेल और परमार्थ कार्यों के क्षेत्र में सेवाओं के लिए नाइटहुड की उपाधि दी गई है। यह सूची शुक्रवार रात को जारी की गई। यह सूची इस सप्ताह के अंत में 76 वर्षीय ब्रिटेन के महाराज के आधिकारिक जन्मदिन समारोह के अवसर पर जारी की गई। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर ने कहा, इस वर्ष की जन्मदिन सम्मान सूची हमारे देश के हर कोने में मौजूद असाधारण समर्पण, करुणा और सेवा की याद दिलाती है।

कराची में एक बार फिर महसूस किए गए भूकंप के हल्के झटके

» कराची, भाषा।

पाकिस्तान के आर्थिक केंद्र कराची में शनिवार को एक बार फिर भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए, जिससे कम से कम पांच इलाकों में लोग घबराकर घरों से बाहर निकल आए। लगभग 15 दिन पहले भी कई बार झटके महसूस किए गए थे। कराची मौसम विज्ञान केंद्र के प्रमुख मौसम वैज्ञानिक आमिर हैदर के अनुसार, शनिवार को आए झटकों की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 3.2 मापी गई। भूकंप जमीन के भीतर 38 किलोमीटर की गहराई पर केंद्रित था। हैदर ने बताया कि ये झटके शहर के कम से कम पांच इलाकों में दर्ज किए गए। उन्होंने कहा कि लांधी इलाके की एक ऐतिहासिक भूकंपीय फॉल्ट लाइन से भूकंपीय ऊर्जा निकलने के कारण ए झटके महसूस हो रहे हैं।

एअर इंडिया के विमान दुर्घटनाग्रस्त

इस त्रासदी के घाव बहुत गहरे : जगदीप अहलूवालिया

भारतीय-अमेरिकियों ने अहमदाबाद में विमान दुर्घटना में लोगों की मौत पर शोक व्यक्त किया

» ह्यूस्टन, भाषा।

भारतीय-अमेरिकियों ने अहमदाबाद में एअर इंडिया के विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने पर लोगों के मारे जाने पर शोक व्यक्त किया है। प्रवासी समुदाय के कई लोगों के लिए यह त्रासदी केवल सात समंदर पार खबरों की सुर्खियां नहीं, बल्कि व्यक्तिगत क्षति जैसी है। इंडो-अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स ऑफ गेटर ह्यूस्टन के संस्थापक सचिव जगदीप अहलूवालिया ने कहा, इस त्रासदी के घाव बहुत गहरे हैं। उन्होंने पीटीआई से कहा, मैंने पिछले साल ह्यूस्टन और गुजरात के बीच व्यापारिक संबंध बनाने में मदद करने के लिए अहमदाबाद की यात्रा की थी।

हमारी संवेदनाएं पीड़ित परिवारों और प्रभावित लोगों के साथ हैं। ह्यूस्टन में गुजरात से आए भारतीयों की बड़ी आबादी है। विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाले पेशेवरों ने इस घटना पर शोक व्यक्त किया। अहमदाबाद में पले-बढ़े और बाद में ह्यूस्टन में चिकित्सक के रूप में सेवाएं देने वाले डॉ. पटेल ने कहा, यह एक बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और दुखद घटना है। मैंने वहां (अहमदाबाद) मेडिकल की पढ़ाई की थी। सभी 242 यात्रियों और उनके परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं। नासा की पूर्व इंजीनियर एवं स्थानीय अधिवक्ता डॉ. वीणा अंबरदार ने कहा कि इस घटना ने पूरे समुदाय को हिला कर रख दिया है। उन्होंने कहा, इस घटना से ह्यूस्टन में हर वो व्यक्ति दुखी है जो अहमदाबाद से अपने परिवार, दोस्तों या पिछली यात्राओं के माध्यम से जुड़ा है।

भारतीय समुदाय के सदस्यों ने पीड़ित परिवारों के लिए धन जुटाने का अभियान शुरू किया

लंदन। अहमदाबाद विमान दुर्घटना के पीड़ितों के ब्रिटेन में रह परिवार के सदस्यों की सहायता के लिए धन जुटाने के वास्ते लंदन में भारतीय समुदाय के सदस्य एकजुट हो रहे हैं। इसमें दो अनाथ बच्चों के लिए तत्काल सहायता भी शामिल है। एअर इंडिया विमान दुर्घटना में जान गंवाने वालों में अर्जुन पटोलिया भी थे। वे अपनी दिवंगत पत्नी भारती की अस्थियों को भारत में विसर्जित करने की इच्छा को पूरा करने के लिए गुजरात गए थे। उनकी पत्नी का हाल ही में कैंसर से निधन हो गया था। अर्जुन पटोलिया के मित्रों और परिवार ने शुक्रवार को उनकी दोनों बेटियों की सहायता के लिए ऑनलाइन धन-संग्रह अभियान गोफंडमी शुरू किया और अब तक 500,000 पाउंड के लक्ष्य का आधे से अधिक धन जुटा लिया गया है। अर्जुन पटोलिया इंस्पायर्ड एलिमेंट्स फर्नीचर कंपनी में काम करते थे। कंपनी के विनोद खिमजी कहा, केवल 18 दिनों में, चार और आठ साल की दो छोटी बहनों ने अपने माता-पिता, दोनों को खो दिया। उन्होंने कहा, अर्जुन अपनी पत्नी की अस्थियां विसर्जित करने गए थे और अब कभी अपने बच्चों के पास नहीं लौटेंगे। अब, इन दोनों लड़कियों के माता-पिता में से कोई नहीं बचा। उनकी दुनिया सिर्फ दो सप्ताह में ही पलट गई। अर्जुन इंस्पायर्ड एलिमेंट्स में हमारी टीम का एक महत्वपूर्ण सदस्य थे और कई सालों तक एक करीबी पारिवारिक मित्र भी थे। मेरे और परिवार द्वारा शुरू किए गए इस अभियान का उद्देश्य आने वाले सालों में सुरक्षा, स्थिरता और प्यार प्रदान करना है। ब्रिटेन के नॉर्थम्पटन निवासी अबधी पटेल के परिवार के लिए भी ऐसा ही एक प्रयास शुरू किया गया है, जिनके परिवार में पति पंकज और आठ वर्षीय बेटा मीर पटेल हैं।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,